प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-357 | मथुरा, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मिलावटखोर होली पर कमाई के लिए सक्रिय

ब्रज की होली में अबीर-गुलाल संग मिलावट का साया

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज में होली आते ही बाजार सज चुके हैं लेकिन इसके साथ ही रंग-गुलाल में मिलावट का खतरा भी बढ़ गया है। खुले में बिक रहे सस्ते रंगों व गुलाल में बालू, मिट्टी, चावल का आटा और केमिकल मिलाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे त्वचा और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

बाजारों में रंग-गुलाल की बिक्री तेज हो गई है। बरसाना, नंदगांव, श्रीकृष्ण जन्म भूमि, वृंदावन के मंदिरों, बलदेव, गोकुल समेत अन्य सभी मंदिरों में अबीर गुलाल के साथ टेसू के फूलों को रंग बरसेगा। व्यापारियों की मानें तो कान्हा की नगरी में होली पर शहर और आसपास के क्षेत्रों में करीब पांच करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होता है। बाजार में उपलब्ध सस्ते गुलाल की थोक कीमत 50-55 रुपये प्रति किलो बताई जा रही है। फुटकर में यही 100 से 200 रुपये किलो तक बिक रहा है। वहीं रंग के छोटे पैकेट 10 ग्राम तक 15 रुपये में उपलब्ध हैं। व्यापारियों का कहना है कि ज्यादातर रंग-गुलाल हाथरस से आता है, जबकि कुछ माल लोकल स्तर पर तैयार हो रहा है। सस्ते रंगों में बालू या अन्य पदार्थ मिलाने की बात भी सामने आई है, विशेषकर हरे रंग में केमिकल की मात्रा अधिक होने की आशंका है। मिलावटी रंग व गुलाल के धंधेबाज अच्छे कारोबारियों को भी बदनाम कर रहे हैं। मिलावटी गुलाल व रंग धंधेबाज बाहर से सीधे मंगा कर बेच रहे हैं।

रंग-गुलाल में केमिकल... उड़ा न दे चेहरे का रंग

बाहरी माल से बढ़ी मिलावट की आशंका

स्वास्थ्य पर पड़ सकता है गंभीर असर

आंखों में जलन और एलर्जी का कारण बन सकते हैं मिलावटी गुलाल

यूनिक समय, मथुरा। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल अग्रवाल का कहना है कि मिलावटी गुलाल व रंग त्वचा रोग, आंखों में जलन और एलर्जी का कारण बन सकते हैं। लोगों को भी सलाह दी जाती है कि प्रमाणित व हर्बल रंग ही खरीदें और खुले में बिक रहे सस्ते उत्पादों से बचें, ताकि त्योहार की खुशियां सुरक्षित बनी रहें।

महापद्म योग में मनेगी रंगभरी एकादशी

यूनिक समय, मथुरा। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की एकादशी को रंगभरी एकादशी (आमलकी एकादशी) होगी। यह 27 फरवरी को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई जाएगी। इस दिन महापद्म नामक अत्यंत शुभ योग का निर्माण भी हो रहा है, जिससे व्रत और पूजन का महत्व और बढ़ गया है। इस दिन शिव मंदिरों व विष्णु मंदिर में आयोजन होंगे। भगवान के साथ इस दिन फूलों की होली होती है।

ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल गौड़ का कहना है कि इस दिन देवताओं ने फूलों की होली खेली थी, उस दिन एकादशी थी। इसलिए इसे रंगभरी एकादशी कहा जाता है। धार्मिक ग्रंथों जैसे विष्णु पुराण एवं पद्म पुराण में आमलकी एकादशी का विशेष महत्व बताया गया है। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा एवं सेवन को अत्यंत फलदायी माना गया है।

कपड़ा बाजार में रौनक बढ़ी

यूनिक समय, मथुरा। होली का त्योहार व रमजान शुरू होते ही शहर के कपड़ा बाजार में रौनक बढ़ गई है। खासकर कुर्ता-पायजामा और सफेद सूती कुर्तों की मांग में जबरदस्त इजाफा देखा जा रहा है। थोक बाजार में साधारण सूती कुर्ते 200 से 500 रुपये तक की कीमत में उपलब्ध हैं, जिससे खुदरा दुकानदारों के साथ-साथ आम ग्राहकों की भी भीड़ बढ़ गई है। व्यापारियों का कहना है कि इस बार होली को लेकर ग्राहकों में खासा उत्साह है। युवा वर्ग रंग खेलने के लिए सफेद कुर्ता खरीदना पसंद कर रहा है, जबकि बुजुर्ग पारंपरिक कुर्ता-पायजामा की ओर रुझान दिखा रहे हैं। बाजार में सूती, लिनन और हल्के डिजाइनदार कुर्तों की अच्छी खपत हो रही है। सिर्फ कुर्ता ही नहीं बल्कि टी-शर्ट, बच्चों के कपड़े और महिलाओं के लिए रंग-बिरंगे परिधान भी तेजी से बिक रहे हैं। कई दुकानदार आकर्षक छूट और ऑफर देकर ग्राहकों को लुभा रहे हैं।

होटल सिद्धि विनायक अग्निकांड में खुलासा

जांच करने पहुंची बिजली सुरक्षा विभाग की टीम

सिद्धि विनायक होटल अग्निकांड स्थल पर पहुंचे विद्युत सुरक्षा टीम के अधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित एक नवनिर्मित होटल में लॉन्चिंग के दिन ही आग लगने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। होटल संचालक ने विद्युत विभाग की बिना परमीशन के कनेक्शन चालू कर लिया था। यह खुलासा बिजली सुरक्षा विभाग की जांच में हुआ। यही वजह रही कि आग लगी। जानकारी के अनुसार होटल सिद्धि विनायक में अचानक आग भड़क उठी थी। जिसकी चपेट में परिसर के बाहर रखा ट्रांसफार्मर आ गया। आग से विद्युत केबिल पूरी तरह जल गईं और अफरा-तफरी मच गई। जांच में सामने आया कि गेस्ट हाउस संचालक ने 45 किलोवाट कमर्शियल कनेक्शन के लिए आवेदन कर शुल्क तो जमा कर दिया था। लेकिन ट्रांसफार्मर चार्ज नहीं कराया गया था। इसके बावजूद अस्थायी कनेक्शन के सहारे होटल चल रहा था। घटना के बाद विद्युत सुरक्षा विभाग के उप निदेशक प्रवीन कुमार ने सहायक निदेशक निधि जादौन और एसडीओ वृंदावन संदीप वार्ष्णेय के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि अस्थायी कनेक्शन के लिए भी विद्युत सुरक्षा विभाग से एनओसी नहीं ली गई थी।

होटल की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट हुआ

बिना परमीशन के ट्रांसफार्मर चालू किया

प्रारंभिक आख्या में आशंका जताई गई है कि होटल की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट हुआ जिससे आग भड़की। हैरानी की बात यह भी सामने आई कि गेस्ट हाउस में जनरेटर की व्यवस्था तक नहीं थी जिससे बिजली आपूर्ति का कोई सुरक्षित वैकल्पिक इंतजाम नहीं था। निरीक्षण के दौरान जेई सुनील भी मौजूद रहे। पूरी रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय भेज दी गई है।

सहायक निदेशक निधि जादौन ने स्पष्ट किया कि गेस्ट हाउस ने नियमों की अनदेखी करते हुए बिना एनओसी के अस्थायी कनेक्शन चालू कर रखा था। यह गंभीर लापरवाही है और इसी कारण बड़ा हादसा हुआ। इस अग्निकांड ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि नियमों की अनदेखी जानलेवा साबित हो सकती है। अब निगाहें विभागीय कार्रवाई और प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

सावधान — शादी का ई-कार्ड बना खतरा

व्हाट्सएप पर सक्रिय साइबर ठगों का नया खेल

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में साइबर अपराधियों ने लोगों की भावनाओं का फायदा उठाते हुए ठगी का नया तरीका अपनाया है। मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप के माध्यम से "शादी का निमंत्रण कार्ड" के नाम से एपीके फाइल भेजी जा रही है। जैसे ही कोई व्यक्ति जिज्ञासावश इस फाइल को डाउनलोड करता है, उसका निजी डाटा और बैंकिंग जानकारी खतरे में पड़ सकती है। जानकारी के अनुसार, व्हाट्सएप पर भेजी जा रही फाइल का नाम "शादी का निमंत्रण कार्ड" या इसी तरह आकर्षक रखा जाता है। संदेश में लिखा होता है-"शादी में जरूर आना पूरे परिवार के साथ, लोकेशन आपको कार्ड में मिल जाएगी, कृपया

कार्ड देखें"। कई बार भेजने वाले का नाम किसी परिचित व्यक्ति जैसा दिखाई देता है, जिससे लोग बिना जांच-पड़ताल के फाइल डाउनलोड कर लेते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह फाइल वास्तव में एक खतरनाक मालवेयर होती है। इंस्टॉल होते ही यह मोबाइल की कॉन्टैक्ट लिस्ट, मैसेज, बैंकिंग ऐप और ओटीपी जैसी संवेदनशील जानकारियों तक पहुंच बना सकती है। इसके बाद साइबर अपराधी खातों से धनराशि निकालने जैसी घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। साइबर जानकारों के अनुसार, किसी भी एपीके फाइल को व्हाट्सएप या अन्य अनौपचारिक माध्यम से डाउनलोड करना बेहद जोखिम भरा है।

एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं को केवल आधिकारिक गूगल प्ले स्टोर से और आईफोन उपयोगकर्ताओं को एप्पल ऐप स्टोर से ही ऐप डाउनलोड करने चाहिए। अनजान फाइल या लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाती है, तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। समय पर सूचना देने से नुकसान की भरपाई की संभावना बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का स्पष्ट संदेश है-"जागरूकता ही सुरक्षा है।" अनजान फाइलें डाउनलोड न करें, ओटीपी किसी के साथ साझा न करें और मोबाइल की सुरक्षा सेटिंग्स व अपडेट सक्रिय रखें। थोड़ी सी सावधानी आपकी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रख सकती है।

बिजली चोरी पकड़ी गई, रिपोर्ट

मीटर में शंट लगाकर हो रहा था अवैध उपयोग

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन क्षेत्र में विद्युत विभाग की जांच के दौरान बिजली चोरी का मामला सामने आया है। 18 फरवरी को 33/11 केवी उपकेंद्र रुक्मणी विहार के अवर अभियंता सुनील कुमार सिंह अपनी टीम के साथ राजस्व वसूली अभियान पर निकले थे।

उच्च अधिकारियों के निर्देश पर थाना जैंत क्षेत्र में चेकिंग की जा रही थी। जांच के दौरान कृष्णा वाटिका, चैतन्य विहार फेज-2 स्थित एक फ्लैट में मीटर के इनकमिंग और आउटगोइंग टर्मिनल के बीच शंट लगाकर सीधे बिजली उपयोग करने का मामला पकड़ा गया। टीम ने मौके पर वीडियोग्राफी कराई और निरीक्षण

रिपोर्ट तैयार की। दर्ज भार 2466 वाट बताया गया है। आरोप है कि उपभोक्ता ने रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। विभाग ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

विदेशी सैलानियों के मन को भा रही है जोधपुर झाल

जोधपुर झाल के नजारों को कैमरों में कैद करते विदेशी सैलानी।

वन विभाग के सहयोग से जोधपुर झाल वेटलैंड को विकसित कर रहा उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की रज में बसा प्रवासी पक्षियों का रंगीन संसार इन दिनों देश-विदेश के पर्यटकों का मन मोह रहा है। दूर देशों से आए रंग-बिरंगे परिंदों की मनमोहक दुनिया देखते ही बन रही है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा वन विभाग के सहयोग से विकसित हो रहे जोधपुर झाल वेटलैंड पर प्रवासी एवं स्थानीय पक्षियों की चहचहाहट विदेशी सैलानियों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। इंग्लैंड के वन्यजीव फोटोग्राफर ऐश्ले बून ने जब दिल्ली में जोधपुर झाल के बारे में सुना तो वे स्वयं को यहां आने से रोक नहीं पाए। नेचर गाइड गजेन्द्र सिंह एवं टूर ऑपरेटर वी. गोस्वामी के साथ वे जोधपुर झाल वेटलैंड पहुंचे और पक्षी दर्शन का आनंद लिया। ऐश्ले बून ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, "मैं वन्यजीव फोटोग्राफर हूं। मैंने जितना सुना था, यह वेटलैंड उससे कहीं अधिक सुंदर और समृद्ध है। मात्र दो घंटे में मैंने यहाँ अनेक प्रजातियों के पक्षी देखे। यह मेरी यात्रा का अत्यंत अद्भुत और सुखद अनुभव है।" जोधपुर झाल वेटलैंड से जुड़े बीआरडीएस संस्था के ईकोलॉजिस्ट डॉ. के.पी. सिंह ने बताया कि यह वेटलैंड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है और प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल आवास के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि इंग्लैंड के वन्यजीव फोटोग्राफर ऐश्ले बून ने उनके साथ भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यहां दिखाई दे रहे प्रमुख प्रवासी पक्षियों में नॉर्दर्न पिनटेल, नॉर्दर्न शोवलर, गेडवाल, बार-हेडेड गूज, ग्रे-लैग गूज, कॉमन टील, टफ्टिड डक, कॉमन पोचार्ड, कॉमन कूट, सिट्रिन वैगटेल, ब्लूथ्रोट, साइबेरियन स्टोनचैट, ग्रेटर स्पॉटेड ईगल तथा मार्श हैरियर प्रमुख हैं, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के पर्यावरण सलाहकार मुकेश शर्मा ने बताया कि ब्रज क्षेत्र में प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण एवं ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में मथुरा-आगरा जनपद सीमा पर फरह के निकट स्थित जोधपुर झाल वेटलैंड एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभर रहा है। यह न केवल जैव विविधता को संरक्षित कर रहा है, बल्कि स्थानीय पर्यटन और अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। वन विभाग के साथ समन्वय कर परिषद द्वारा जोधपुर झाल पर सतत विकास कार्य किए जा रहे हैं।

तापमान / मौसम

27 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

14 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,57,000

22 कैरेट 1,44,440

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,53,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	आपातकालीन सेवा
1962	रेलवे हेल्पलाइन
100	पुलिस
108	एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	महिला हेल्पलाइन
1091	महिला पुलिस सहायता
1098	चाइल्ड हेल्पलाइन
104	स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	सड़क दुर्घटना आपात सहायता

अब आप रविवार को भी रजिस्ट्री करा सकेंगे

सरकार की मथुरा में नई व्यवस्था

पूरे सप्ताह खुला रहेगा रजिस्ट्री कार्यालय

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार ने फरवरी से रजिस्ट्री नियमों में बदलाव के बाद से रजिस्ट्री कार्यालय को रविवार को भी खोलने के निर्देश दिए हैं। इस तरह पूरे सप्ताह लोगों को रजिस्ट्री कराने की सुविधा होगी। हलांकि रजिस्ट्री कराने और करने वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उप निबंधक प्रथम एके त्रिपाठी ने बताया कि दोनों कार्यालयों में रजिस्ट्री कराने वालों को सहूलियत देने के लिए आठ बजे तक रजिस्ट्री कराने की सुविधाएं दी हैं। मथुरा में भी सप्ताह में सातों दिन यानि कि रविवार को भी रजिस्ट्री कार्यालय में काम काज होगा। रविवार को भी कार्यालय पूरे समय खुलेगा। इसके साथ ही रजिस्ट्री भी की जाएंगी। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था अलटरनेट की गई है। यानि कि एक सप्ताह में अगर सब रजिस्ट्रार प्रथम का कार्यालय खुलेगा तो अगले सप्ताह में सब रजिस्ट्रार द्वितीय का कार्यालय खुलेगा। इसके साथ ही अगर शनिवार को वो कार्यालय खुला और रविवार को भी उसकी ड्यूटी रही तो शुक्रवार को वो कार्यालय बंद रहेगा। श्री त्रिपाठी ने बताया कि दोनों रजिस्ट्री कार्यालय में हर रोज करीब 200 दस्तावेजों की रजिस्ट्री हो रही है। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्री के दौरान कभी साइड दिक्कत देती है तो कभी आधार वैरिफिकेशन में काफी समय लग रहा है। इसके चलते लोगों को दस्तावेजों की रजिस्ट्री कराने में काफी समय लग रहा है। पहले आधार का वेरिफिकेशन पांच मिनट के अंदर हो जाता था, लेकिन अब 15 मिनट से अधिक का समय लग रहा है। इसके चलतो थोड़ी दिक्कत हो रही है।

आधुनिक मशीनरी से जल निकासी व्यवस्था को नई गति मिलेगी

मशीन के वाहन को हरी झंडी दिखाते महापौर विनोद अग्रवाल।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा-वृन्दावन जलकल विभाग, द्वारा 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत सीवर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु नवीन मशीनों की आपूर्ति प्राप्त की गई है। इसके अंतर्गत दो सीवर सॅक्शन मशीन, एक सीवर जैटिंग मशीन एवं दो सीवर बकेट मशीन शामिल हैं। महापौर विनोद अग्रवाल ने नगर निगम मथुरा-वृन्दावन के भूतेश्वर मुख्यालय परिसर में सभी मशीनों की पूजा-अर्चना कर नारियल फोड़कर लोकार्पण एवं शुभारंभ किया। हरी झंडी दिखाकर मशीनों को जनसेवा को रवाना किया। महापौर ने कहा कि आधुनिक मशीनरी के माध्यम से शहर की स्वच्छता एवं जल निकासी व्यवस्था को नई गति मिलेगी। नगर निगम का लक्ष्य है कि तकनीक आधारित समाधान अपनाकर नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित परिवेश उपलब्ध कराया जाए। इन मशीनों के नियमित एवं प्रभावी उपयोग से बरसात के मौसम में भी जलभराव की समस्या को न्यूनतम किया जाएगा और आमजन को राहत मिलेगी। कार्यक्रम में महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा, अधिशासी अभियंता (जल) राम कैलाश, सहायक अभियंता (जल) हेमेन्द्र गौतम, सहायक अभियंता (जल) अजय एवं सहायक अभियंता (जल) श्रीमती प्रतिभा अन्य उपस्थित थे। आशा उम्मीद जाहिर की कि नई मशीनों के संचालन से सीवर सफाई एवं जल निकासी कार्य मैकेनाइज्ड पद्धति से अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं समयबद्ध रूप में संपन्न होंगे। इससे जलभराव एवं फेवर (फाउल/सीवर ओवरफ्लो) जैसी समस्याओं का त्वरित निस्तारण संभव होगा तथा स्वच्छता व्यवस्था में गुणात्मक सुधार आएगा, जो स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों की दृष्टि से भी लाभकारी सिद्ध होगा।

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)

वाट्सऐप: 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन

14420 — सीवर सफाई के लिए

18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)

0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

शहीद स्मारकों के सौंदर्यीकरण, वीर नारी एवं पूर्व सैनिकों को वरीयता

जिला सैनिक बंधु जिला परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सुरेंद्र कुमार।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला सैनिक बंधु जिला परिषद की मासिक बैठक अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सुरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इसमें जनपद के ब्लॉक सैनिक बंधुओं से प्राप्त पूर्व सैनिकों के प्रार्थना पत्रों पर अब तक हुई कार्रवाई से जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल एके सिंह ने अवगत कराया। अपर जिला अधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिक प्रशासन से संबंधित कार्य के लिए किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स सर्विसेज लीग के कोर्डिनेटर खेमचंद शर्मा नगेश ने जिला प्रशासन द्वारा शहीद स्मारकों के सौंदर्यीकरण वीर नारी /आश्रित एवं पूर्व सैनिकों को वरीयता प्रदान किए जाने पर प्रशासन का आभार जताया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ने बैठक में प्राप्त वीर नारी, पूर्व सैनिकों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई एवं निराकरण को निर्देशित किया। बैठक में कर्नल तेज सिंह, कैप्टन जवाहरलाल, कैप्टन हरिहर शर्मा, प्रेम सिंह, मनोज कुलश्रेष्ठ, वरिष्ठ लिपिक आरबी सिंह यादव, बृज सिंह पांडव, उदयभान सिंह, श्याम सुंदर बेनीवाल, प्रेमवीर, वीर नारी श्रीमती सीमा एवं श्रीमती रचना ने विचार व्यक्त किए।

संसद राष्ट्र निर्माण की सर्वोच्च कार्यशाला: तेजवीर सिंह

बीएसए कॉलेज में आयोजित यूथ पार्लियामेंट सत्र का शुभारंभ करते राज्यसभा सदस्य तेजवीर सिंह। साथ में प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज में आयोजित यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम ने शैक्षणिक एवं लोकतांत्रिक गतिविधियों के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित कर दिया। यह आयोजन अपने स्वरूप, अनुशासन, विषयवस्तु और छात्र-छात्राओं की प्रभावशाली भागीदारी के कारण अत्यंत ऐतिहासिक और प्रेरणादायी सिद्ध हुआ। उपस्थित जनों ने एक स्वर में कहा कि इस स्तर का जीवंत और यथार्थपरक युवा संसद आयोजन पहले कभी देखने को नहीं मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद चौधरी तेजवीर सिंह, बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र शर्मा, महाविद्यालय अभिभावक संघ के अध्यक्ष आर.एस. गौतम, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. एस. के. राय तथा महाविद्यालय के प्रानुशासक डॉ. रवीश शर्मा ने किया। छात्राओं ने संसद की कार्यवाही, प्रश्नकाल, नियमों के अंतर्गत चर्चा, पक्ष-विपक्ष के तर्क तथा विधेयक पारित होने की प्रक्रिया का इतना सजीव और अनुशासित प्रस्तुतीकरण किया कि पूरा सभागार वास्तविक संसद सत्र जैसा अनुभव करने लगा। तर्क, भाषा, प्रस्तुति और संसदीय शिष्टाचार का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखते ही बनता था। लगभग एक घंटे तक चला यह सत्र विद्यार्थियों की तैयारी, समझ और नेतृत्व क्षमता का सशक्त उदाहरण बना। युवा संसद सत्र में एलएलबी द्वितीय वर्ष के छात्र रामकृष्ण ने संसद अध्यक्ष (स्पीकर) की भूमिका का अत्यंत प्रभावशाली निर्वहन किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की सर्वोच्च कार्यशाला है। उन्होंने छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि आज का आयोजन यह सिद्ध करता है कि यदि युवाओं को सही दिशा और अवसर मिले तो वे लोकतंत्र की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं। अपने संसदीय अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार संसद में जनहित के मुद्दे उठाए जाते हैं। समितियों में कार्य होता है और नीतियाँ बनती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जागरूक नागरिक बनें, संविधान की समझ विकसित करें और भविष्य में नीति-निर्माण की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को तैयार करें। प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा ने कहा कि यूथ पार्लियामेंट जैसे आयोजन केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला हैं। उन्होंने छात्राओं की तैयारी, अनुशासन और प्रस्तुति की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में डॉ. एस. के. राय, डॉ. रेखा राय, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, डॉ. लावण्य कौशिक, डॉ. रितु साहनी, डॉ. प्रगति उपाध्याय, डॉ. जय कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन डॉ. बी. के. गोस्वामी ने किया।

यूपी बोर्ड देगा नई सुरक्षा वाली मार्कशीट

न फटेगी, न भीगेगी, नकली बनाना होगा मुश्किल

शिक्षा संवाददाता

यूनिक समय, प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने इस वर्ष हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक सुरक्षा विशेषताओं वाली नई अंकतालिका जारी करने की घोषणा की है। परिषद का दावा है कि यह अंकतालिका इतनी मजबूत और सुरक्षित होगी कि न तो पानी से खराब होगी, न ही आसानी से फटेगी और इसे साधारण तरीके से नष्ट करना संभव नहीं होगा।

परिषद के सचिव भगवती सिंह के मुताबिक पिछले वर्ष भी लाखों विद्यार्थियों को सुरक्षित अंकतालिकाएं उपलब्ध कराई गई थीं, लेकिन उनमें रही कुछ तकनीकी कमियों को इस बार दूर कर दिया गया है। नई अंकतालिका विशेष प्रकार के मजबूत कागज पर तैयार की गई है, जो नमी और पानी से प्रभावित नहीं होगा। इसे सुरक्षित रखने के लिए अलग से प्लास्टिक परत चढ़वाने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। नई अंकतालिका पर एक विशेष मोनोग्राम अंकित होगा, जो धूप में चमकेगा। इससे उसकी सत्यता की पहचान आसानी से की जा सकेगी। परिषद का कहना है कि इस व्यवस्था से जाली अंकतालिका तैयार करना बेहद कठिन हो जाएगा। साथ ही, जब इसकी प्रतिलिपि कराई जाएगी तो उस पर स्वतः ही प्रतिलिपि होने का संकेत अंकित हो जाएगा, जिससे मूल और प्रतिलिपि में अंतर स्पष्ट रहेगा। बताया कि इस अंकतालिका की गुणवत्ता को लेकर कई स्तर पर परीक्षण किए गए हैं। इसे फाड़ना या नुकसान पहुंचाना आसान नहीं है। सचिव ने भरोसा जताते हुए यहां तक कहा है कि यदि कोई इसे सामान्य तरीके से फाड़ दे तो उसे इनाम दिया जाएगा।

हालांकि यह औपचारिक नियम नहीं है, बल्कि गुणवत्ता पर विश्वास दर्शाने का दावा है। नई व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों के प्रमाण पत्रों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना और जालसाजी पर पूरी तरह रोक लगाना है। परिषद के सचिव का मानना है कि इससे विद्यार्थियों को भविष्य में प्रवेश और नौकरी से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सर्राफ की दुकान में हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

बालअपचारी सहित दो गिरफ्तार

कोसीकलां पुलिस की गिरफ्त में दो चोर।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां की सीएचसी के सामने करीब 14 दिन पहले रात्रि को सर्राफ की दुकान में हुई लाखों के जेवरातों की चोरी के मामले में पुलिस ने एक बाल अपचारी सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो किलो 328 ग्राम सफेद धातु के जेवरात और दो चाकू बरामद किए हैं। कोसीकलां के सी एचसी रोड पर सीएचसी के सामने सर्राफ की दुकान का ताला तोड़ कर छह फरवरी की रात को दुकान में रखे लाखों के सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिए थे। चोरी की वारदात का पत लगने पर व्यापारियों में आक्रेश फैल गया था। सीओ छाता ने भी घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोरों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया था। पुलिस ने चोरों तक पहुंचने के लिए दर्जनों सीसी टीवी कैमरों की

2 किलो 328 ग्राम सफेद धातु के जेवरात बरामद

फुटेज को खंगाला और उसके साथ ही लोकल खबरियों से भी इस मामले में सहयोग लिया। इस मामले में पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले एक बाल अपचारी सहित एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है।

सूचना के आधार पर थाना प्रभारी निरीक्षक राजकमल सिंह ने कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी दुष्यंत सिंह और पुलिस टीम को लेकर ईदगाह कट के समीप से अभियुक्त पतलू उर्फ आलीशान निवासी नब्बेघर करीमुल्लाबांस कोसीकलां और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो चाकू दो किलो 328 ग्राम सफेद धातु के जेवरात और हथौड़ा, सब्बल बरामद किया। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को धमकी देने वाले के खिलाफ एफआईआर हो

यूनिक समय, मथुरा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर दो दिन पहले 25 निर्वाचित सांसदों व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को खुलेआम गोली मारने की धमकी दिए जाने के मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर ने एसएसपी को प्रार्थनापत्र देकर वाद दायर करने की मांग की है।

श्री धनगर ने बताया कि धमकी देने वाले राजसिंह आमेरा अपने आप को वीडियो में भाजपा से संबंधित बता रहा है। इस प्रकार उक्त व्यक्ति द्वारा विद्वेष पूर्ण वक्तव्य से न केवल निर्वाचित सांसदों व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी दी गई है बल्कि सामाजिक स्वार्थ को बिगड़ने का गंभीर अपराध किया है। जिला महासचिव वैद्य मनोज गौड़ ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को इस्तीफा देना चाहिए। ऐसे सहयोगी समर्थक जिसके हों वह लोकतंत्र की रक्षा कैसे कर सकता है।

भड़काऊ भाषण और गलत जानकारी देने वाले मंत्री किरण रिजिजू पर भी कार्यवाही होनी चाहिए। इस अवसर महानगर के पूर्व अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि अश्विनी शुक्ला एडवोकेट आदित्य तिवारी एडवोकेट, खुशीराम पटेल एडवोकेट तथा आकाश सक्सेना आदि उपस्थित थे।

दुकान से उधार सामान न देने पर दो पक्ष भिड़े

दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले

यूनिक समय मथुरा। थाना फरह के गांव किरारई में दुकान से उधार सामान लेने को लेकर आज हुए विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और लाठी डंडे चलने से इलाके में हड़कंप मच गया। झगड़े में दोनों पक्षों के आठ लोग घायल हो गए।

गांव किरारई निवासी अनूप की गांव दुकान है। बताया गया कि आज शिवा उसकी दुकान से उधार सामान लेने के लिए गया था। सामान उधार न देने को लेकर दोनों के बीच आपसी विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। इनके बीच हुए झगड़े का पता लगने पर दोनों

दोनों पक्षों के आठ लोग हुए घायल

ही पक्षों के लोग लाठी-डंडे लेकर एक दूसरे के सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मारपीट में दोनों पक्षों के आठ लोग घायल हो गए। घायलों में एक का सिर फट गया और दूसरे का हाथ टूट गया। इनके अलावा कई और लोग घायल हो गए। गांव में हुए झगड़े का पता लगने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भर्ती कराया है।

अनुदान के लिए आवेदन-पत्रों का आमंत्रण

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में परिभाषित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं (मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण दिव्यांगजन को छोड़कर) हेतु दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजनान्तर्गत निम्नलिखित 07 परियोजनाओं / कार्यक्रमों के कियान्वयन हेतु स्वैच्छिक संगठनों को सहायता अनुदान प्रदान किए जाने की व्यवस्था प्रदेश सरकार द्वारा की गई है। इसमें अर्ली इण्टरवेंशन सेन्टर, डे केयर सेन्टर/प्री-प्राइमरी स्कूल, प्राइमरी स्कूल स्तर तक के विद्यालयों का संचालन, जूनियर हाईस्कूल स्तर तक के विद्यालयों का संचालन, हाईस्कूल स्तर तक के विशेष विद्यालयों का संचालन, कौशल विकास (अधिकतम 04 ट्रेड तथा न्यूनतम 02 ट्रेड), पाठ्य सामग्री विकास एवं पुस्तकालयों का संचालन शामिल हैं। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अन्तर्गत पंजीकृत प्रदेश के स्वैच्छिक संगठन जो सम्बन्धित क्षेत्र में अनुभव तथा उक्त योजना हेतु पात्रता रखते हों, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उप्र की वेबसाइट से प्रश्नगत योजना से सम्बन्धित कार्यकारी आदेश / दिशा-निर्देश व आवेदन पत्र का प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक स्वैच्छिक संस्थाएं दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान प्रस्ताव तत्काल दो प्रतियों में कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी मथुरा राजीव भवन रूम नम्बर 35 जी में जमा कर सकते हैं।

राया में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत गांव हुलु में शुक्रवार की सुबह खेत में पेड़ पर लटके युवक का शव मिलने पर हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। मृतक की पहचान शौरभ पुत्र प्रेमपाल निवासी गांव हुलु के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सौरभ की दो वर्ष पहले शादी हुई थी।

इस पर एक बेटी है। घटना के समय उसकी पत्नी मायके गयी हुई थी। घटना की जानकारी होते ही परिवार मे कोहराम मच गया। थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह ने बताया कि प्रथम द्दष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक कारणों की जानकारी हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

होली पर सोशल मीडिया पर होगी पैनी नजर

अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना (मथुरा)। विश्व प्रसिद्ध लडडू होली एवं लठामार होली की तैयारियों के संबंध में लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सभागार में 24 फरवरी को बरसाना में लडडू होली, 25 फरवरी को बरसाना में लठामार होली तथा 26 फरवरी को नन्दगांव में लठामार होली की व्यवस्थाओं के संबंध समीक्षा बैठक हुई। अपर पुलिस महानिदेशक श्रीमती अनुपम कुलश्रेष्ठ ने सख्त निर्देश दिए कि सोशल मीडिया पर पैनी नजर बनाए रखें। 24 घंटे सोशल मीडिया पर निगरानी सुनिश्चित करें। अफवाह फैलाने वालों पर तत्काल कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों, विद्युत कर्मियों आदि के पास जारी करें तथा उन्हें यूनिक ड्रेस दी जाए, जिससे आसानी से कर्मचारी पहचान में आ जाए। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि आवारा पशुओं को पकड़े तथा निराश्रित गौवंशों को गौशालाओं में पहुंचाए।

अपर पुलिस महानिदेशक ने निर्देश दिए कि पुलिस विभाग जगह जगह पर बैनर/ पोस्टर लगाए जिसमें

केमिकल युक्त रंग का प्रयोग पूर्णत: प्रतिबंधित करें

महत्वपूर्ण नंबर प्रदर्शित हो, जैसे 1090, 1930, 112, कंट्रोल रूम नंबर आदि। अपर पुलिस महानिदेशक ने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में एंटी रोमियो स्क्वाड को भी तैनात करें। मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप ने निर्देश दिए कि समस्त जर्जर भवनों को हटाए, सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करे, नकली/गंदा/केमिकल युक्त रंग का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित करें, नकली/ गंदा /केमिकल युक्त रंग को बेचने वालों पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। समस्त ई–रिक्शा का चिन्हीकरण करते हुए उन्हें निर्धारित रूट दिया जाए। उन्होंने कहा कि सभी पार्किंग में प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, रैंप, साइनबोर्ड, पीए सिस्टम आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने भी कहा कि सभी कर्मचारी एवं अधिकारी श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं दर्शनार्थियों से विनम्र रहे। अपनी भाषा को मृदुल रखें तथा सेवा–भाव से ड्यूटी का निर्वहन करे।

उन्होंने कहा कि होटल एवं पार्किंग संचालकों के साथ बैठक करें। होटल एवं पार्किंग संचालक सभी श्रद्धालुओं से आग्रह करें कि वे अपने जूता–चप्पल होटल या अपनी गाड़ी में उतार कर दर्शन हेतु जाए, क्योंकि दर्शन हेतु एकल मार्ग की व्यवस्था है। नकली गुलाल बेचने वालों पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा थाना प्रभारी बरसाना को निर्देश दिए कि कही पर भी नकली गुलाल नहीं बिकना चाहिए। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने अधिशासी अधिकारी बरसाना एवं मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रमुख मार्गों, गलियों एवं चौक की पेंटिंग, लाइटिंग एवं साज सज्जा की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मेला क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनों, साज–सज्जा, प्रवेश द्वार, सेल्फी पॉइन्ट आदि का निर्माण एवं लाइव प्रसारण आदि की व्यवस्था ससमय सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए जाए, होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें जागरूक करें तथा निर्देशित करें कि गुणवत्तापूर्ण मिष्ठान/भोजन/ अन्य सामग्री का प्रयोग करे। दूषित एवं मिलावटी प्रदार्थों को नष्ट कराएं। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि किसी भी दुकान एवं रेस्टोरेंट संचालक का उत्पीड़न / शोषण नहीं होना चाहिए।

एसएसपी श्लोक कुमार ने अवगत कराया कि बरसाना को 7 जोन व 18 सेक्टर में विभाजित किया गया है। बरसाना में 56 पार्किंग स्थल तथा 94 बैरियर बनाए जा रहे है। 13 स्थलों पर स्वास्थ्य केंद्र तथा 05 दो पहिया एम्बुलेंस लगाई जाएंगी। बरसाना में 5 वॉचटावर तथा 5 स्थानों पर अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में अवगत कराया है कि जनपद मथुरा के विभिन्न प्रमुख मन्दिरों पर प्रकाश व्यवस्था/विद्युत सजावट का कार्य किया जा रहा है। फसाड लाईटिंग का कार्य श्री राधारानी मन्दिर बरसाना तथा श्री नन्द मन्दिर नन्दगाँव में किया जा रहा है। बैठक में डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एस पी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, एस पी यातायात मनोज कुमार, उप जिलाधिकारी गोवर्धन प्राजक्ता त्रिपाठी, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन धीरेंद्र प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

गांव अक्रूर के जंगल में अवैध रूप से पेड़ काटने का मामला

कलेक्ट्रेट पर ज्ञापन देने पहुंचे गरीब एकता दल के पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गरीब एकता दल के प्रतिनिधिमंडल ने गांव अक्रूर के जंगल में अवैध रूप से पेड़ों को काटने एवं छटीकरा चौराहे से लेकर विद्यापीठ चौराहे तक फुटपाथ बनाकर पेड़ों की जड़ों एवं तनों को कंक्रीट से बंद करने के विरोध में डीएम को ज्ञापन सौंपा।

गरीब एकता दल के युवा प्रदेश अध्यक्ष विश्वेंद्र चौधरी ने कहा है कि वन विभाग के अधिकारी पूरी तरह सोये हुए हैं। उन्हें पर्यावरण के हित में कोई कार्य नहीं करना है। ऐसा प्रतीत होता है जो वृक्ष लगे हुए हैं उनके चारों तरफ कंक्रीट का निर्माण करके उन्हें सुखाने की तैयारी की जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों को कई बार सूचित किया गया है परंतु फिर भी कोई

डीएम को ज्ञापन देकर जांच की मांग

भी कार्रवाई नहीं हुई खुलेआम अक्रूर के जंगलों में वृक्षों को काटा गया परंतु धरातल पर कोई कार्यवाही दिख नहीं रही है उन्होंने कहा कि गरीब एकता दल पर्यावरण के हित में लगातार संघर्ष जारी रखेगा। महिला प्रदेश अध्यक्ष ऋचा शर्मा ने कहा कि प्रशासन इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया गया तो गरीब एकता दल प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भी लिखेगा। किसी भी कीमत पर ब्रज के वृक्षों का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। इस मौके पर नवाब सिंह पौनिया, दिगंबर सिंह, हर्ष चौधरी, लव कुमार, माधव चौधरी एवं मनदीप कुमार आदि उपस्थित थे।

आरटीई प्रथम चरण की लॉटरी सम्पन्न, 1176 बच्चों का चयन

यूनिक समय, मथुरा। जिले में शिक्षा के अधिकार अधिनियम की धारा 12(1)(सी) के अंतर्गत शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए प्रथम चरण की ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न हो गई। इस चरण में निजी विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार कुल 3094 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से जांच के बाद 1678 आवेदन पत्र सत्यापित कराए जबकि 1416 आवेदन विभिन्न कारणों से अपात्र या निरस्त कर दिए गए। सत्यापन प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की गई, ताकि केवल निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले बच्चों को ही लॉटरी में शामिल किया जा सके। प्रथम चरण की ऑनलाइन लॉटरी में कुल 1176 छात्र–छात्राओं का चयन हुआ है। वहीं 502 बच्चे इस चरण में अचयनित रह गए। चयनित विद्यार्थियों को अब निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। शिक्षा विभाग की ओर से अभिभावकों को आवश्यक दस्तावेज लेकर विद्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला प्रशासन ने बताया कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और तकनीकी माध्यम से संपन्न कराई गई, जिससे किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना न रहे। अधिकारियों का कहना है कि आगे के चरणों की जानकारी भी निर्धारित समय पर जारी की जाएगी, ताकि शेष पात्र बच्चों को भी अवसर मिल सके।

गुटखा, बीड़ी, तंबाकू और खाद्य उत्पादों पर वसूल रहे मनमाने पैसे

यूनिक समय, गोवर्धन। बाजार में बिकने वाले उत्पादों पर मनमानी तरीके से अवैध वसूली करने वाले दुकानदारों के खिलाफ मुहिम चलाई जा रही है। तमाम तंबाकू उत्पाद और अन्य खाद्य पदार्थ प्रिंट रेट से अधिक कीमतों पर बाजार में बेचे जा रहे हैं ग्राहकों ने जब इसकी शिकायत और विरोध किया तो दुकानदारों ने डिस्ट्रीब्यूटर पर आरोप लगाकर अपना पल्ला झाड़ लिया लेकिन जब मीडिया कर्मी बड़े डिस्ट्रीब्यूटरों के पास पहुंचे तो सच्चाई का पता लगा कि डिस्ट्रीब्यूटर तो अपना माल कंपनी रेट पर ही छोटे दुकानदारों को सप्लाई कर रहे हैं लेकिन छोटे दुकानदार बड़े डिस्ट्रीब्यूटर और कंपनी का बहाना बनाकर सामान को मनमानी तरीके से

कम्पनी के नाम पर छोटे दुकानदार कर रहे हैं मनमानी

ऊंचे दामों में बेच रहे हैं जिससे डिस्ट्रीब्यूटरों का कोई लेना–देना नहीं है। डिस्ट्रीब्यूटर ने बताया कि उनके यहां से 86 में होलसेल में गोल्ड फ्लैक सिगरेट दुकानदारों को दी जा रही है उसके साथ ही 10 प्रिंट वाले स्टीकर भी दिए जा रहे हैं जिनको दुकानदार अपनी दुकान पर लगाते नहीं है और मनमानी तरीके से 12 और 15 में सिगरेट बेचकर अपना मुनाफा कमा रहे हैं और बदनाम डिस्ट्रीब्यूटरों को किया जा रहा है। कस्बा के लोगों ने प्रशासन से मुनाफाखोरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

ब्रज के कुंड – सरोवरों का होगा ब्रज संस्कृति धरोहर के रूप में संरक्षण

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी/ जिला गंगा समिति की नोडल अधिकारी डॉ .पूजा गुप्ता ने की। बैठक में मुख्य रूप से सालिड वेस्ट, प्लास्टिक वेस्ट, ई–वेस्ट, सीएनडी वेस्ट एवं बायोमेडिकल वेस्ट के डिस्पोजल के संबंध में निगरानी एवं समय–समय पर उनका परीक्षण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि तहसील गोवर्धन स्थित राधा कुंड वन ब्लॉक एवं मल्याहरण कुंड की साफ सफाई का कार्य प्रारंभ करते हुए जलकुंभी निकासी के कार्य की शुरुआत कर दी गई है। जिला गंगा समिति ने एक आदर्श वाटर बॉडी के रूप में उक्त दोनों स्थलों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इस पर जिला पर्यावरण समिति के सदस्य रामदास चतुर्वेदी ने बताया कि नगर निगम के क्षेत्र अंतर्गत जो भी पार्क

जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की अध्यक्षता करती सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता।

हैं उनको जन भागीदारी से विकासित किया जाएगा। साथ ही ब्रज की धरोहरों में से एक तालाब एवं कुंड का भी विकास जन भागीदारी एवं विभागीय सहयोग से कराया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी ने सहमति व्यक्त करते हुए उनको चिन्हित करने हेतु अपर नगर आयुक्त को निर्देशित किया।

जिला गंगा समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य जगन्नाथ पोद्दार ने सुझाव रखते हुए बताया गया कि वर्षा कल के दौरान यमुना में बाढ़ का खतरा अत्यधिक होता है। यमुना की सतह की सफाई व ग्राउंड लेवल डिस्चार्ज हेतु यमुना नदी में मथुरा से वृंदावन तक डिसिल्टिंग कराया जाना अत्यधिक आवश्यक है। इस पर नोडल अधिकारी ने जिला गंगा समिति द्वारा समिति की समस्त सदस्यों को अवगत कराया गया कि यमुना नदी की डिसिल्टिंग हेतु राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली से यथावश्यक सहयोग स्थापित किया जाएगा। श्री पोद्दार ने पेड़ों की सुरक्षित जीवन निर्वहन हेतु पक्के निर्माण में

नगर निगम क्षेत्र के पार्कों का होगा जन–भागीदारी से विकास और संरक्षण

एनजीटी के आदेशों के अनुपालन हेतु 1 मीटर की जगह छोड़े जाने के लिए संबंधित विभागों से अनुरोध किया। जिला पर्यावरण समिति के सदस्य मनोज सक्सेना ने बताया कि यमुना नदी में कूड़ा–करकट की रोकथाम हेतु नाविकों के साथ बैठक आयोजित की जा सकती है। जिला पर्यावरण समिति के सदस्य धीरज कुमार ने ईंट भट्टों द्वारा फैलाई जा रहे प्रदूषण के संबंध में अवगत कराया।

वन विभाग पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अनेक प्रयास करता है जिसमें अब पेट्रोल पंप की एनओसी प्राप्त करने हेतु अब पेट्रोल पंप संचालकों से कम से कम 10 पेड़ लगाने हेतु अपेक्षा की जाएगी। संचालन सामाजिक वानिकी प्रभाग के प्रभागीय निदेशक वेंकटा श्रीकर पटेल ने किया।

हम सबका एक ही नारा नशा मुक्त हो देश हमारा

यूनिक समय, मथुरा। आरसीए कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के कल्याणं करोति संस्था में आयोजित सात दिवसीय शिविर के चतुर्थ दिवस की गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर का प्रारंभ योग सत्र से हुआ, जिसमें स्वयं सेविकाओं ने प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, पद्मासन, अर्ध मत्स्येंद्रासन, उष्ट्रासन आदि योगासनों का अभ्यास किया। द्वितीय सत्र में 'नशा मुक्त भारत' जागरूकता रैली निकाली। यह रैली कल्याणं करोति संस्था से प्रारंभ होकर रामलीला मैदान होते हुए महाविद्या कुंड, महाविद्या कॉलोनी गोविंद नगर तक गई। 'हम सबका एक ही नारा, नशा मुक्त हो देश हमारा', 'नशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो' जैसे नारों के साथ स्वयं सेविकाओं ने जन जन में नशा मुक्ति के संदेश का प्रसार किया। इसके पश्चात् तृतीय सत्र में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराया गया जिसके अंतर्गत स्वयंसेविकाओं द्वारा महाविद्या कॉलोनी में लोगों को सभी निर्वाचनों में मतदान करने के लिए जागरूक किया गया तथा मतदाता शपथ भी दिलाई गई।

चतुर्थ सत्र बौद्धिक सत्र था जिसमें आज सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता कल्याणं करोति संस्था की अध्यापिका सुश्री अनुष्का थी। उन्होंने सामाजिक न्याय की अवधारणा से स्वयं सेविकाओं को अवगत कराया और बताया कि विश्व में गरीबी, बेरोजगारी, लैंगिक असमानता और सामाजिक बहिष्कार को खत्म करने की जागरूकता फैलाने के यह दिवस मनाया जाता है। संचालन डॉ प्रतिभा ने किया। सोनम यादव ने आभार जताया।

आधा किलोमीटर दूर चलकर मिलती हैं रोडवेज की बसें

परिवहन विभाग के अधिकारी क्षेत्रीय लोगों की समस्या का नहीं कर सके समाधान

गुरुवार को सर्विस रोड के बजाय अंडरपास से आगरा की ओर जाती रोडवेज की बस।

कौन झूठा–कौन सच्चा

यूनिक समय, फरह। रोडवेज बसें सर्विस मार्ग से नहीं निकल रही हैं, लोग परेशान हैं, लेकिन सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक और परिचालक इस मामले में एक दूसरे को झूठा साबित करने में लगे हुए हैं। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक का कहना है कि उन्होंने इस बारे में सभी चालक– परिचालकों को निर्देश दिए हैं, जबकि एक बस के परिचालक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ऐसा उनके पास कोई आदेश नहीं है।

अधिकारी की बात

यूनिक समय, फरह। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मदन मोहन शर्मा का कहना है कि सभी रोडवेज की बसों के चालक–परिचालकों को सर्विस रोड से बस निकालने को कहा गया है। आदेश नहीं मानने वालों पर जुर्माना भी किया जा रहा है। अब जानकारी की जाएगी कितनी बसें सर्विस रोड से निकल रही हैं।

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। परिवहन निगम के अधिकारी बसों को सर्विस रोड से नहीं निकलवा सके हैं। ऐसे में क्षेत्रीय लोगों को रोडवेज बस पकड़ने के लिए आधा किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी रात के समय आगरा–मथुरा से आने वालों को उठानी पड़ती है, जिनको परिचालक आधा किलोमीटर दूर उतार कर चले

बस को सर्विस रोड से ले जाने में चालक–परिचालक करते हैं आनाकानी

जाते हैं। भाजपा के आदर्श पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली से जुड़े लोग रोडवेज की बसों के लिए काफी समय से परेशान हैं। कस्बा में अंडरपास बनने से बस स्टैंड का वजूद न के बराबर रह गया है। ऐसे में रोडवेज की बसें बस स्टैंड आने के बजाय अंडरपास के इधर–उधर सवारियों को उतारती हैं और ले जाती हैं। इस समस्या से राहत पाने के लिए कुछ लोगों ने प्रदेश के परिवहन मंत्री से मुलाकात की। इस पर परिवहन मंत्री ने सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक और क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र लिखकर निर्देश दिए कि आगरा और मथुरा को आने–जाने वाली रोडवेज की बसें अंडरपास के बजाय कस्बा में सर्विस रोड से होकर निकले, लेकिन एक साल का समय बीतने के बाद भी रोडवेज के अधिकारी परिवहन मंत्री के आदेश पर अमल नहीं करवा सके हैं।

मथुरा में हार्ले–डेविडसन एक्स 440 टी का भव्य शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। आगरा–दिल्ली राजमार्ग स्थित हीरो प्रेमिया (ब्रज बाईव्हीलर्स) शोरूम में उस समय खासा उत्साह देखने को मिला, जब बहुप्रतीक्षित हार्ले-डेविडसन एक्स 440 टी का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर बाइक का अनावरण किया। इस अवसर पर ब्रज बिहार ग्रुप के एमडी पवन चतुर्वेदी, ब्रज बाईव्हीलर्स के निदेशक विजय चतुर्वेदी, पीयूष चतुर्वेदी, पार्थ चतुर्वेदी, आर्किटेक्ट समर्थ चतुर्वेदी, गौरव चतुर्वेदी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। नई एक्स 440 टी में आधुनिक तकनीक और दमदार प्रदर्शन का संतुलित मेल देखने को मिलता है। इसमें

हार्ले–डेविडसन एक्स 440 टी का अनावरण करते जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी। साथ हैं ब्रज बिहार ग्रुप के एमडी पवन चतुर्वेदी, ब्रज बाईव्हीलर्स के निदेशक विजय चतुर्वेदी, पीयूष चतुर्वेदी और पार्थ चतुर्वेदी।

इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल प्रणाली, अलग–अलग सड़क परिस्थितियों के लिए विशेष राइडिंग मोड, स्विच योग्य ट्रैक्शन नियंत्रण तथा पिछला ब्रेक नियंत्रण जैसी उन्नत सुविधाएं दी गई हैं। आकर्षक पिछला डिजाइन, चौड़े हैंडलबार और विशेष शीशे इसे प्रीमियम लुक प्रदान करते हैं। अचानक ब्रेक लगाने की स्थिति में पीछे आने वाले वाहनों को सतर्क करने वाली चेतावनी प्रकाश व्यवस्था भी इसमें शामिल है। ब्रज विहार

बाइक प्रेमियों में उत्साह

समूह के प्रबंध निदेशक पवन अग्रवाल ने कहा कि मथुरा जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में विश्वस्तरीय मोटरसाइकिल का आगमन युवाओं के लिए विशेष अवसर है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह मॉडल प्रदर्शन और विश्वसनीयता के मामले में ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। ब्रज बाईव्हीलर्स के निदेशक विजय चतुर्वेदी ने बताया कि यह मोटरसाइकिल पारंपरिक आकर्षण और आधुनिक तकनीक का शानदार संयोजन है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के लिए बुकिंग और परीक्षण सवारी की सुविधा शोरूम पर उपलब्ध है। बाइक की शुरुआती कीमत 2 लाख 34 हजार 500 रुपये निर्धारित की गई है।

केडी विश्वविद्यालय के एमबीबीएस के छात्र–छात्राएं एआई समिट में पहुंचे

एआई आधारित रोग निदान प्रणालियों से रूबरू हुए विद्यार्थी

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के एमबीबीएस छात्र–छात्राओं के एक दल ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट में सहभागिता कर चिकित्सा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित नवीनतम तकनीकों और नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। प्रो–वाइस चांसलर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में शैक्षिक भ्रमण पर गए विद्यार्थियों ने आधुनिक चिकित्सा तकनीक, डिजिटल हेल्थ और एआई आधारित रोग निदान प्रणालियों को विस्तार से समझा।

शैक्षिक भ्रमण के दौरान मेडिकल छात्र–छात्राओं ने एआई संचालित मेडिकल इमेजिंग, रोग पूर्वानुमान मॉडल, रोबोटिक सर्जरी, टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म तथा स्मार्ट हेल्थ मॉनिटरिंग उपकरणों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखा। प्रो–वाइस चांसलर डॉ. गौरव सिंह ने

एआई समिट में प्रो–वाइस चांसलर डॉ. गौरव सिंह के साथ मेडिकल छात्र–छात्राएं।

विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा में तकनीकी नवाचारों को अपनाने, शोध गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने तथा भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए तैयार रहने को प्रेरित किया। एआई समिट में सहभागिता करने वाले छात्र–छात्राओं में डॉ. राहुल पटेल, डॉ. देवेश पंचोली, अनन्या सौरभ, रिद्धि शर्मा, राशि शर्मा तथा प्रियांशी चौहान शामिल रहे। विद्यार्थियों ने इसे ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक अवसर आधुनिक चिकित्सा के बदलते स्वरूप को समझने में अत्यंत सहायक हैं। विश्वविद्यालय के प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेश लाहौरी, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल तथा केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डीन एवं प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे तकनीकी आयोजनों में सहभागिता सुनिश्चित करने की बात कही। कुलपति डॉ. लाहौरी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोगी डेटा के डिजिटल संकलन और डेटाबेस निर्माण के माध्यम से दस्तावेजीकरण में लगने वाले समय को कम करती है, जिससे निदान, उपचार और नियमित चिकित्सा देखभाल अधिक प्रभावी बनती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि तकनीक के साथ–साथ चिकित्सा के मानवीय पहलुओं पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह विवाद

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई 12 मार्च तय की

यूनिक समय, प्रयागराज/मथुरा। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। जस्टिस अवनीश सक्सेना की सिंगल बेंच ने मुस्लिम पक्ष द्वारा दाखिल संशोधन आवेदन पर विचार किया और मामले की अगली सुनवाई की तारीख 12 मार्च 2026 तय कर दी। यह विवाद 18 कंसॉलिडेटेड मूल वादों से जुड़ा है, जिनमें हिंदू पक्षकार शाही ईदगाह मस्जिद को हटाकर 13.37 एकड़ भूमि पर मंदिर बहाली और कब्जे की मांग कर रहे हैं। हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद औरंगजेब काल में मंदिर तोड़कर बनाई गई थी। मुस्लिम पक्ष (शाही मस्जिद ईदगाह कमिटी और यूपी सुन्नी वक्फ बोर्ड) वादों की सुनवाई योग्यता पर सवाल उठाता रहा है और प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 का हवाला देता है। आज की सुनवाई में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने अपना जवाब दाखिल किया, जैसा कि पिछली सुनवाई में निर्देशित था। पक्षकारों की दलीलें सुनी गईं, जिसमें एएसआई रिपोर्ट पर बहस शामिल थी। हालांकि, कोई बड़ा फैसला (जैसे सर्वे की अनुमति या वाद खारिज) नहीं हुआ। सुनवाई मुख्य रूप से प्रक्रियागत रही, जिसमें ऑब्जेक्शन, संशोधन और आगे की कार्यवाही पर फोकस था। मथुरा में सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही, लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित चुनौतियों से जुड़ा है, जहां प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट की वैधता पर सुनवाई हो रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगली तारीखों पर वाद बिंदु फ्रेमिंग या अन्य महत्वपूर्ण फैसले आ सकते हैं। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन और मुस्लिम पक्ष के महमूद प्रचा सक्रिय रहे। दोनों समुदायों ने शांति अपील की है। यह विवाद अयोध्या राम मंदिर मामले की याद दिलाता है, लेकिन अभी ट्रायल स्टेज में है।

ब्रजवासियों ने पुण्य तिथि पर गालिब को किया याद

पुस्तकालय को निहारते गालिब के अनुयाई।

यूनिक समय, मथुरा। एएचएम स्कूल चंदन वन में मिर्जा गालिब के इंतकाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में याद करते हुए उन्हें ब्रजवासियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्षता करते हुए अधिवक्ता तनवीर अहमद खान ने कहा कि बृजवासी मिर्जा गालिब को उसके जन्म दिवस पर बार–बार याद करते हैं। उस महाकवि का चमत्कार ही कुछ ऐसा है जिसके काव्य को भुलाया नहीं जा सकता है। शताब्दियाँ उनके कलाम को दोहराती रहेंगी और जिस पर शोधकर्ता अपने शोध ग्रंथ प्रस्तुत करते रहेंगे। संचालक प्रिंसिपल जिया उल हक ने कहा कि हमें भारत भूमि के महान कवियों जैसे कालिदास, अमीर खुसरो, कबीर, गालिब, टैगोर, सरोजिनी नायडू, महादेवी वर्मा और अब्दुल रहीम खान खाना को बार–बार याद करते रहना चाहिए ताकि हमारे आने वाली नस्ल देश के इन साहित्यों का गुणगान करते रहें। मुख्य वक्ता डॉ. जैड हसन ने ना

पुस्तकालय में देखे गालिब के स्मरण

सुनो गर बुरा कहे कोई ,ना कहो गर बुरा करे कोई। रोक लो गर गलत चले कोई, बख्श दो गर खता करे कोई काव्य पाठ प्रस्तुत किया। इस पर उन्होंने श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी।

डॉ. अबरार ने गालिब की गरीबी का जिक्र किया। गफ्फार अब्बास एडवोकेट व निसार खान ने मिर्जा गालिब के पुस्तकालय की दीवार पर लगे चित्र देखें और उनकी पोशाक को देखकर आश्चर्य चकित रह गए। सुलेमान व मुजफ्फर साहब ने गालिब की घरेलू जिंदगी को अंदर से झांक कर देखा। इस मौके पर अब्दुल रहमान, हमीद खान, लाला पहलवान, हबीब अंसारी, राशिद खान, शाहिद खान एवं बुरहान मौजूद रही।

वायु प्रदूषण : हवा में घुलता याददाश्त का जहर

अल्जाइमर का नया खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। वायु प्रदूषण को अब तक मुख्य रूप से फेफड़ों और हृदय रोगों से जोड़कर देखा जाता रहा है, लेकिन हालिया शोध ने इसके दुष्प्रभावों को लेकर एक नई और गंभीर चिंता सामने रखी है। एक विस्तृत अध्ययन में दावा किया गया है कि बढ़ता वायु प्रदूषण अल्जाइमर जैसी दिमागी बीमारी के खतरे को भी बढ़ा सकता है। यह शोध अमेरिका में बुजुर्ग आबादी पर किया गया, जिसमें चौंकाने वाले निष्कर्ष सामने आए हैं।

अमेरिका में लगभग 2.78 करोड़ बुजुर्गों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि प्रदूषण में मौजूद सूक्ष्म कण (पार्टिकुलेट मैटर) दिमाग पर प्रतिकूल असर डाल सकते हैं। अध्ययन में वर्ष 2000 से 2018 के बीच 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। रिसर्च के अनुसार, प्रदूषित हवा में मौजूद बेहद छोटे कण सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर रक्त प्रवाह तक पहुंच जाते हैं और अंततः मस्तिष्क को प्रभावित करते हैं। ये कण मस्तिष्क में सूजन उत्पन्न कर सकते हैं और न्यूरॉन्स के बीच संचार को कमजोर कर देते हैं। इसके परिणामस्वरूप दिमाग में असामान्य प्रोटीन का जमाव बढ़ सकता है, जो अल्जाइमर रोग से जुड़ा माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जिन लोगों को पहले स्ट्रोक हो चुका है, उनमें प्रदूषण के कारण अल्जाइमर का जोखिम और अधिक बढ़ जाता है। हालांकि प्रदूषण से हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक और डिप्रेशन जैसी समस्याएं भी जुड़ी पाई गईं, लेकिन अल्जाइमर का खतरा अपेक्षाकृत अधिक गंभीर रूप में सामने आया है।

अल्जाइमर एक प्रगतिशील बीमारी है, जिसमें व्यक्ति की स्मरण शक्ति धीरे–धीरे कमजोर होती जाती है। गंभीर स्थिति में मरीज दैनिक कार्य करने में भी असमर्थ हो सकता है। ऐसे में यदि प्रदूषण इस बीमारी के जोखिम को बढ़ा रहा है, तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती है।

विशेषज्ञों ने प्रदूषण प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत स्तर पर ठोस कदम उठाना, प्रदूषण नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू करना और लोगों में जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। यह स्पष्ट है कि वायु प्रदूषण अब केवल सांस की नहीं, बल्कि दिमागी सेहत की भी गंभीर चिंता बन चुका है।

10 मिनट में तैयार करें स्वादिष्ट अनारदाना चटनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। रसोई में अगर कोई चीज साधारण खाने को भी खास बना सकती है, तो वह है चटनी। समोसे, परांठे, पकौड़े या स्नैकक्स–इन सबके साथ अगर चटपटी चटनी मिल जाए तो स्वाद दोगुना हो जाता है। आमतौर पर घरों में धनिया–पुदीना की चटनी बनाई जाती है, लेकिन अगर आप कुछ अलग और खास ट्राय करना चाहते हैं, तो अनारदाना चटनी बेहतरीन विकल्प है। यह खट्टी–मीठी और हल्की तीखी चटनी न सिर्फ स्वाद बढ़ाती है, बल्कि पाचन के लिए भी लाभकारी मानी जाती है।

अनारदाना, यानी सूखे अनार के दाने, प्राकृतिक रूप से खट्टे होते हैं और इनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। यह चटनी खासतौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है, जिन्हें हल्की खटास के साथ संतुलित स्वाद पसंद हो। अच्छी बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता–सिर्फ 10 मिनट में यह तैयार हो जाती है।

आवश्यक सामग्री: 2-3 बड़े चम्मच सूखा अनारदाना (हल्का कुटा हुआ), 1 कप ताजा हरा धनिया (कटा हुआ), कप पुदीना पत्ते, 2-3 हरी मिर्च (स्वादानुसार), इंच अदरक का टुकड़ा, छोटा चम्मच काला नमक, नमक स्वादानुसार, 1 छोटा चम्मच चीनी या गुड़, छोटा चम्मच भुना जीरा, थोड़ा पानी।

बनाने की आसान विधि: सबसे पहले अनारदाना धो लें। अगर यह ज्यादा सख्त हो, तो 10-15 मिनट गुनगुने पानी में भिगो दें। इसके बाद मिक्सी जार में अनारदाना, धनिया, पुदीना, हरी मिर्च, अदरक और भुना जीरा डालें। अब इसमें नमक, काला नमक और चीनी या गुड़ मिलाएं। थोड़ा पानी डालकर इसे दरदरा या बारीक पीस लें।

अगर पारंपरिक स्वाद चाहिए, तो इसे सिलबट्टे पर पीसें–इससे स्वाद और भी निखरता है। तैयार चटनी को बाउल में निकालें। चाहें तो ऊपर से थोड़ा नींबू रस डालकर खटास बढ़ा सकते हैं।

यह चटनी न केवल खाने का स्वाद बढ़ाएगी, बल्कि आपके मेहमानों को भी खास स्वाद का अनुभव कराएगी ।

हफ्ते में कितनी बार लगाएं बालों में तेल?

यूनिक समय, नई दिल्ली। लंबे, घने और मजबूत बालों की चाह लगभग हर किसी को होती है। लेकिन बदलती लाइफस्टाइल, प्रदूषण और केमिकल प्रोडक्ट्स के ज्यादा इस्तेमाल से बालों का झड़ना आम समस्या बन गया है। कई लोग फैशन या व्यस्त दिनचर्या के कारण बालों में तेल लगाना छोड़ देते हैं, जबकि सही तरीके से की गई ऑयलिंग बालों की सेहत के लिए बेहद जरूरी मानी जाती है।

बालों में तेल लगाना सिर्फ पारंपरिक आदत नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक रूप से फायदेमंद प्रक्रिया है। तेल स्कैल्प को पोषण देता है और बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है।

गहरी नमी और कंडीशनिंग: धूप, धूल और केमिकल युक्त शैंपू बालों की प्राकृतिक नमी छीन लेते हैं। तेल बालों पर एक सुरक्षा परत बनाता है, जिससे रूखापन कम होता है और बाल मुलायम बने रहते हैं।

बेहतर ब्लड सर्कुलेशन: तेल लगाते समय हल्की मालिश करने से सिर में रक्त संचार बढ़ता है। इससे जड़ों को ज्यादा ऑक्सीजन और पोषण मिलता है, जो बालों की ग्रोथ में मददगार होता है।

हेयरफॉल में कमी: नियमित ऑयलिंग से स्कैल्प स्वस्थ रहता है, डैंड्रफ कम होता है और बाल जड़ों से मजबूत बनते हैं। इससे झड़ने की समस्या में कमी आ सकती है। तेल लगाने की सही संख्या आपके स्कैल्प टाइप पर निर्भर करती हैः ऑयली स्कैल्पः हफ्ते में 1 बार या 10 दिन में एक बार पर्याप्त है।

ड्राय स्कैल्पः हफ्ते में 2-3 बार जड़ों में हल्की मसाज करें।

नॉर्मल स्कैल्पः हफ्ते में 1-2 बार तेल लगाना सही रहता है। तेल को हल्का गुनगुना करके लगाएं, इससे यह बेहतर तरीके से स्कैल्प में समा जाता है। बहुत ज्यादा तेल न लगाएं, वरना उसे हटाने के लिए ज्यादा शैंपू की जरूरत पड़ेगी, जिससे बाल फिर से ड्राय हो सकते हैं। अगर स्किन पर पिंपल्स की समस्या है, तो तेल रातभर लगाने के बजाय 2-3 घंटे पहले लगाकर धो लें। सही मात्रा और सही तरीके से की गई ऑयलिंग आपके बालों को लंबे समय तक स्वस्थ, मजबूत और चमकदार बनाए रख सकती है।

संगीत नाइट के लिए ट्रेंड में इंडो–वेस्टर्न आउटफिट, सेलेब्स से लें स्टाइल इंस्पिरेशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। वेडिंग सीजन में संगीत नाइट को सबसे ज्यादा एंटरटेनिंग और वाइब्रेंट फंक्शन माना जाता है। डांस, म्यूजिक और ग्लैमरस माहौल के बीच हर कोई चाहता है कि उसका लुक सबसे अलग और स्टाइलिश दिखे। ऐसे में पूरी तरह पारंपरिक लहंगा या साड़ी की बजाय इंडो–वेस्टर्न आउटफिट्स आजकल पहली पसंद बनते जा रहे हैं। सेलेब्रिटीज के हालिया लुक्स से आप अपने संगीत फंक्शन के लिए बेहतरीन आइडिया ले सकती हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेसरकुल प्रीत सिंह का रॉयल और एलीगेंट लुक संगीत नाइट के लिए परफेक्ट माना जा सकता है। उन्होंने खूबसूरत को–ऑर्ड सेट पहना है, जिसके टॉप पर लीफ मोटिफ और फ्लोरल कढ़ाई की डिटेलिंग है। इसके साथ सिल्वर एम्ब्रॉयडरी वाला लॉन्ग जैकेट और डीप कलर का अरेबिक कट प्लाजो उनके लुक को स्टेटमेंट बना रहा है। ग्रीन स्टोन ज्वेलरी इस आउटफिट में क्लास और ग्रेस जोड़ती है।

वहीं नरगिस फाखरी का रेड ग्लिटर साड़ी लुक ट्रेडिशनल और मॉडर्न का परफेक्ट फ्यूजन है। उन्होंने सीक्विन ब्लाउज के साथ प्री–ड्रेप्ड मरमेड स्टाइल साड़ी कैरी की है। स्लीक पल्लू ड्रेपिंग और मैचिंग रिंग इस स्टाइल को और भी आकर्षक बनाते हैं। यह लुक उन महिलाओं के लिए बेहतरीन है जो साड़ी पहनना चाहती हैं लेकिन उसमें ग्लैमरस ट्विस्ट भी चाहती हैं। अगर आप थोड़ा ड्रामेटिक और बोल्ड लुक चाहती हैं तो सोनाक्षी सिन्हा का इंडो–वेस्टर्न स्टाइल ट्राई कर सकती हैं। ब्लैक बेस के साथ वाइट और ग्रीन कॉम्बिनेशन वाला को–ऑर्ड सेट, वी–नेकलाइन क्रॉप टॉप और काउल स्कर्ट के साथ मैचिंग लॉन्ग जैकेट या केप बेहद स्टाइलिश लगता है। जैकेट पर फैब्रिक स्ट्रिप्स से बना फ्रिंज डिटेल इसे खास बनाता है। आराम और स्टाइल का कॉम्बिनेशन चाहती हैं तो माधुरी दीक्षित का ब्लू ए–लाइन स्कर्ट लुक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। मिरर वर्क से सजा स्कर्ट और रफल स्लीव्स वाला वी–नेक टॉप क्लासी और ग्रेसफुल वाइब देता है। यह लुक डांस-फ्रेंडली भी है, जो संगीत नाइट के लिए जरूरी है। देसी टच के साथ बोहेमियन फील चाहिए तो कृति सैनन का स्टाइल अपनाया जा सकता है। पेपलम स्टाइल स्ट्रैपी शॉर्ट कुर्ती के साथ मिरर वर्क वाला लहंगा और कौड़ी फ्रिंज डिटेलिंग इस लुक को यूनिक बनाती है। कुल मिलाकर, इस वेडिंग सीजन में इंडो–वेस्टर्न आउटफिट्स संगीत नाइट के लिए ट्रेंड में हैं। सही कट, फ्यूजन सिल्हूट और स्टेटमेंट एक्सेसरीज के साथ आप भी सेलेब्रिटी जैसा कमाल लुक पा सकती हैं।

सुविचार

पढ़ाई कभी किसी का समय बर्बाद नहीं करती बल्कि भविष्य को चमकाने का मौका देती है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी	04:01-05:05 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	रेवती	07: -07 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय		6:55 AM	चन्द्रोदय	08:56 AM
सूर्यास्त		06:10 PM	चंद्रास्त	10:12 PM
सूर्य राशि		कुंभ राशि	चंद्र	मीन
शुभ मुहूर्त		12:08PM –12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:083-06:11
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		09:44 PM-11:08 PM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

काल भैरव मंदिर में अब डिजिटल पूजा की सुविधा, घर बैठे करें स्पेशल आरती दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। आस्था और तकनीक का अनोखा संगम अब श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। जो भक्त किसी कारणवश मंदिर नहीं पहुंच पाते, उनके लिए अब बाबा कालभैरव के दरबार में ऑनलाइन पूजा की सुविधा शुरू कर दी गई है। अब श्रद्धालु घर बैठे अपने नाम से विशेष पूजा बुक कर सकते हैं, लाइव आरती देख सकते हैं और प्रसाद भी सीधे अपने घर मंगवा सकते हैं।

घर बैठे ऐसे करें ऑनलाइन पूजा बुक– ऑनलाइन पूजा बुक करने के लिए सबसे पहले कालभैरव मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत एप/स्थानीय पोर्टल पर जाएं। वहां अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर अकाउंट बनाएं। लॉग-इन करने के बाद संबंधित मंदिर का नाम सर्च करें और "पूजा बुकिंग" विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद पूजा का प्रकार चुनें और ऑप्शन सिलेक्ट करें, ताकि आप निर्धारित समय पर पूजा और आरती का सीधा प्रसारण देख सकें। फिर पूजा किसके नाम से करवानी है, गोत्र, अवसर (जैसे जन्मदिन, विशेष कामना या ग्रह शांति) जैसी जानकारी भरें। अपनी सुविधा अनुसार पूजा की तारीख चुनें। यदि आप प्रसाद घर मंगवाना चाहते हैं, तो पूरा पता सही-सही दर्ज करें। अंत में ऑनलाइन पेमेंट करें। भुगतान सफल होने के बाद रसीद और बुकिंग आईडी आपके ईमेल या व्हाट्सएप पर भेज दी जाती है।

पूजा शुल्क और विशेष अनुष्ठान– ऑनलाइन पूजा में पंडित जी आपका नाम और गोत्र उच्चारण करते हुए विधि-विधान से अनुष्ठान करते हैं। इसमें शनि, राहु–केतु ग्रह शांति की विशेष पूजा भी शामिल हो सकती है। पूजा का शुल्क सामान्यतः 500 रुपये से 2,000 रुपये तक होता है, जो चुनी गई सेवा और प्रसाद विकल्प पर निर्भर करता है। इस डिजिटल सुविधा से बुजुर्ग, बीमार या दूर–दराज में रहने वाले श्रद्धालु भी बाबा कालभैरव का आशीर्वाद आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। अब आस्था की डोर दूरी से नहीं टूटेगी, बल्कि तकनीक के सहारे और भी मजबूत होगी।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

नए साल का व्रत–त्योहार कैलेंडर

- 21 फरवरी, दिन शनिवार: ढुण्ढिराज चतुर्थी
- 27 फरवरी, दिन शुक्रवार: आमलकी एकादशी
- 1 मार्च, दिन रविवार: रवि प्रदोष व्रत
- 3 मार्च, दिन मंगलवार: फाल्गुन पूर्णिमा
- 4 मार्च, दिन बुधवार: होली
- 6 मार्च, दिन शुक्रवार: भालचन्द्र संकष्टी
- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरूवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशि : आपका दिन बढ़िया रहेगा। दोपहर तक आपको अच्छी खबर मिल सकती है। विरोधी आपके बारे मे अफवाहें फैलाने के लिए तैयार बैठे हैं ऐसा मौका ही न दें।

वृष राशि : आपका दिन फेवरेबल रहेगा। पूरा दिन माता–पिता के साथ बीतेगा। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, आज उन्हें तोड़कर जीवन में बदलाव लाने में सफल होंगे।

मिथुन राशि : आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए का दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ होगी।

कर्क राशि: आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, इस कारण व्यक्तिगत जीवन की कुछ बातों को नजरअंदाज न करें।

सिंह राशि : आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फायदा दे सकते हैं।

कन्या राशि : भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जायेगा।

तुला राशि : आपका दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी काम को लेकर बॉस आपको सलाह देंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा। किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए।

वृश्चिक राशि : आपका दिन लकी रहेगा। आप जो भी करें, अच्छे से समझकर करें, फायदा होगा। सरकारी कामों में किसी अनुभवी से सलाह मिल सकती है, जो आपके बहुत काम आ सकती है।

धनु राशि : आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए का दिन बढ़िया है। आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है।

मकर राशि : दिन खुशियों से भरा रहेगा। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

कुंभ राशि : आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएगी।

मीन राशि : आपका दिन नई सौगात लेकर आया है। करियर संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जायेगा। सेहत फिट रहेगी।

करियर में स्थिरता और प्रमोशन के लिए ऊंट की मूर्ति का महत्व

यूनिक समय, मथुरा। कई बार कड़ी मेहनत, योग्यता और समर्पण के बावजूद नौकरी में प्रमोशन रुक जाता है या व्यापार में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाती। लगातार प्रयासों के बाद भी जब परिणाम अनुकूल नहीं आते, तो व्यक्ति मानसिक रूप से निराश होने लगता है। ऐसे में कई लोग वास्तु शास्त्र और फेंगशुई के उपाय अपनाते हैं। इन्हीं उपायों में ऊंट की मूर्ति को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि इसे सही दिशा और नियमों के अनुसार घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और करियर में स्थिर प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है।

उंट की मूर्ति का प्रतीकात्मक महत्व– वास्तु शास्त्र के अनुसार उंट धैर्य, संतुलन और निरंतर आगे बढ़ते रहने का प्रतीक है। रेगिस्तान जैसी कठिन परिस्थितियों में भी उंट बिना रुके लंबी दूरी तय करता है। यही कारण है कि इसे संघर्ष के बीच स्थिरता और सफलता का प्रतीक माना जाता है। जीवन में जब चुनौतियां बढ़ती हैं और रास्ते कठिन लगते हैं, तब उंट की प्रतीकात्मक उपस्थिति व्यक्ति को मानसिक मजबूती और धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा देती है। उंट यह संदेश देता है कि सफलता तुरंत नहीं मिलती, बल्कि निरंतर प्रयास और संयम से धीरे-धीरे लक्ष्य हासिल किया जाता है। इसलिए करियर में स्थिर और दीर्घकालिक प्रगति के लिए इसे शुभ माना गया है।

किस दिशा में रखें उंट की मूर्ति? वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार उंट की मूर्ति को घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना सबसे अधिक शुभ माना जाता है। यह दिशा सहयोग, नेटवर्किंग और सामाजिक संबंधों से जुड़ी होती है, जो करियर में आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि किसी कारणवश उत्तर-पश्चिम दिशा उपलब्ध न हो, तो उत्तर या पूर्व दिशा भी उपयुक्त मानी जाती है। इन दिशाओं में मूर्ति रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और कार्यक्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होने की संभावना बनती है।

घर में सही स्थान का चयन– उंट की मूर्ति को लिविंग रूम या ड्राइंग रूम में रखना बेहतर माना जाता है। यह घर का वह स्थान होता है जहां परिवार के सदस्य और मेहमान अधिक समय बिताते हैं। यहां रखी गई मूर्ति पूरे घर में सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। ध्यान रखें कि मूर्ति को बेडरूम, बाथरूम के पास, सीढ़ियों के नीचे या मुख्य द्वार के ठीक सामने न रखें। साथ ही, मूर्ति का मुख हमेशा घर के अंदर की ओर होना चाहिए। इससे समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा घर के भीतर ही बनी रहती है।

जरूरी नियम और सावधानियां– वास्तु मान्यता के अनुसार उंट की मूर्ति जोड़े में रखना अधिक लाभकारी माना जाता है। यह साझेदारी, सहयोग और संतुलन का प्रतीक है। सामग्री की बात करें तो पीतल या तांबे की मूर्ति विशेष रूप से शुभ मानी जाती है। हालांकि लकड़ी या पत्थर की मूर्ति भी रखी जा सकती है। ध्यान रखें कि मूर्ति टूटी-फूटी या क्षतिग्रस्त न हो। इसकी नियमित साफ–सफाई करना भी आवश्यक है, क्योंकि धूल या गंदगी सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बाधित कर सकती है।

उंट की मूर्ति रखने के संभावित लाभ– मान्यता है कि सही दिशा और नियमों के अनुसार रखी गई उंट की मूर्ति करियर में आ रही रुकावटों को कम करने में सहायक हो सकती है। यह आत्मविश्वास बढ़ाने, निर्णय क्षमता मजबूत करने और कार्यक्षेत्र में स्थिर प्रगति का संकेत देती है। हालांकि यह उपाय आस्था और मान्यता पर आधारित है, लेकिन कई लोग इसे मानसिक सकारात्मकता और प्रेरणा का स्त्रोत मानते हैं। जब मन में विश्वास और ऊर्जा का संचार होता है, तो व्यक्ति अपने लक्ष्य की ओर अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ पाता है।

क्या सिर्फ व्यवहार बदलने से बदल सकता है भाग्य? जानिए नवग्रह शांति का अनोखा रहस्य

यूनिक समय, मथुरा। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आती हैं जब लगातार प्रयासों के बावजूद समस्याएं समाप्त नहीं होतीं। नौकरी, व्यापार, स्वास्थ्य या पारिवारिक जीवन-हर क्षेत्र में रुकावटें महसूस होने लगती हैं। ज्योतिष शास्त्र में ऐसे समय ग्रहों की शांति के लिए पूजा, यज्ञ, मंत्र-जाप और रत्न धारण की सलाह दी जाती है। लेकिन धर्मशास्त्रों का एक गहरा संदेश यह भी है कि केवल अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि हमारा आचरण और व्यवहार भी रुष्ट ग्रहों को शांत कर सकता है। यदि व्यक्ति अपने संबंधों और कर्मों को सुधार ले, तो ग्रहों के अशुभ प्रभाव स्वतः कम होने लगते हैं।

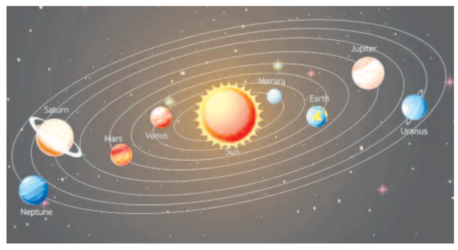

कर्म और ग्रहों का गहरा संबंध– शास्त्रों के अनुसार, कर्म कभी नष्ट नहीं होता, वह केवल रूप बदलता है। जैसे विज्ञान कहता है कि पदार्थ नष्ट नहीं होता बल्कि परिवर्तित होता है, वैसे ही हमारे कर्म भी समय आने पर फल देते हैं। सुख और दुख, सफलता और असफलता–ये सब हमारे कर्मों का परिणाम माने जाते हैं। ज्योतिष मान्यता के अनुसार, पूर्व जन्मों के कर्मों के कारण भी कई बार ग्रह रुष्ट हो जाते हैं। ऐसे में केवल बाहरी उपाय करने के बजाय अपने स्वभाव, व्यवहार और संबंधों की समीक्षा करना आवश्यक हो जाता है।

शास्त्रों का सरल संदेश: सम्मान और सेवा– धर्मशास्त्रों में जीवन को सफल बनाने के सूत्र संकेत रूप में दिए गए हैं– "मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, गुरु देवो भव, अतिथि देवो भव।" इन वचनों का अर्थ है कि माता, पिता, गुरु और अतिथि को देवतुल्य मानकर उनका सम्मान करें। कहा गया है कि प्रतिदिन प्रणाम करने, सदाचार अपनाने और वृद्धजनों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है। यदि व्यक्ति अपने आसपास के लोगों के प्रति प्रेम, आदर और सहयोग का भाव रखे, तो कुंडली के अशुभ ग्रहों का प्रभाव भी कम हो सकता है। परोपकार और विनम्रता ग्रह शांति का सबसे सरल और प्रभावी उपाय माने गए हैं।

ग्रहों के प्रतिनिधि हमारे आसपास ही मौजूद– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नवग्रह इस संसार के विभिन्न संबंधों और व्यक्तियों के माध्यम से अपना प्रतिनिधित्व करते हैं। सूर्य को पिता का, चंद्रमा को माता का, मंगल को छोटे भाई-बहनों का, बुध को मामा और संबंधियों का, बृहस्पति को गुरु और बड़े भाई का, शुक्र को जीवनसाथी का तथा शनि को सेवक वर्ग का कारक माना गया है। राहु अंगहीन और केतु दीन-हीन व रोगी लोगों से जुड़ा बताया गया है। यदि इन संबंधों में कटुता या अनादर हो, तो ग्रहों की शांति के लिए किए गए उपाय भी पूर्ण फल नहीं दे पाते। लेकिन जब व्यक्ति इन रिश्तों को सम्मान और सहयोग से मजबूत करता है, तो ग्रहों का प्रभाव स्वतः सकारात्मक होने लगता है।

किस ग्रह को कैसे करें शांत? यदि सूर्य अशुभ प्रभाव दे रहा हो तो पिता का सम्मान करें। चंद्रमा के लिए माता या मातृ तुल्य स्त्रियों को प्रसन्न रखें। मंगल के कष्ट में छोटे भाई–बहनों का साथ दें। बुध की कृपा के लिए मामा और बंधुओं का आदर करें। बृहस्पति को प्रसन्न करने के लिए गुरुजनों और वृद्धों की सेवा करें। शुक्र के लिए जीवनसाथी को सम्मान दें। शनि के प्रभाव को कम करने के लिए सेवकों और जरूरतमंदों की सहायता करें। राहु-केतु की शांति हेतु दीन-दुखियों और रोगियों की मदद करना श्रेष्ठ माना गया है। अंततः, ग्रहों की शांति का सबसे सरल मंत्र यही है-अपने कर्म, व्यवहार और संबंधों को सुधारें। जब आचरण शुद्ध होगा, तो जीवन में शुभ परिणाम स्वतः मिलने लगेंगे।

सम्पादकीय

नए एम्स और मेडिकल में रिक्त पद, मरीजों पर बढ़ता बोझ

देश के शीर्ष चिकित्सा संस्थान आम नागरिकों के लिए अंतिम उम्मीद माने जाते हैं। जब कोई गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति अस्पताल की दहलीज पर पहुंचता है, तो उसके साथ पूरे परिवार की उम्मीद जुड़ी होती है। पिछले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के उद्देश्य से नए एम्स और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। यह पहल स्वागत योग्य है, लेकिन यदि इन संस्थानों में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्टाफ की पर्याप्त नियुक्ति समय पर न हो, तो यह विस्तार अधूरा रह जाता है।

पवन गौतम

एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में बड़ी संख्या में पदों का खाली होना चिंताजनक है। यह केवल प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की संरचनात्मक कमजोरी का संकेत है। एम्स केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और सुपर-स्पेशियलिटी उपचार का केंद्र है। यहां डॉक्टरों और तकनीकी कर्मचारियों की कमी का सीधा असर इलाज की गुणवत्ता पर पड़ता है। ओपीडी में लंबी कतारें, सर्जरी के लिए महीनों की प्रतीक्षा और आपातकालीन सेवाओं पर बढ़ता दबाव मरीजों के लिए गंभीर समस्या बन जाता है।

यह समस्या केवल उपचार तक सीमित नहीं है। एम्स जैसे संस्थान देशभर के मेडिकल छात्रों और शोधार्थियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र भी हैं। जब फैकल्टी के पद रिक्त रहते हैं, तो मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। उन्नत शोध परियोजनाएं धीमी पड़ जाती हैं और नई चिकित्सा तकनीकों के विकास में बाधा आती है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव पूरे स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ता है, क्योंकि यहीं से प्रशिक्षित विशेषज्ञ देश के विभिन्न हिस्सों में सेवाएं देते हैं।

सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी का एक और परिणाम यह है कि मरीज निजी अस्पतालों की ओर रुख करने को मजबूर हो जाते हैं। निजी क्षेत्र में सुविधाएं बेहतर हो सकती हैं, लेकिन उपचार की ऊंची लागत आम लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं में असमानता बढ़ती है और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इस चुनौती से निपटने के लिए भर्ती प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और नियमित बनाना होगा। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में सेवा देने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं लागू करनी चाहिए। साथ ही, स्वास्थ्य बजट में पर्याप्त वृद्धि और संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना आवश्यक है। यदि देश को सशक्त और समावेशी स्वास्थ्य व्यवस्था चाहिए, तो शीर्ष चिकित्सा संस्थानों में रिक्त पदों की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करना होगा।

नजरिया

भारत–फ्रांस संबंधों को नई ऊंचाई और रणनीतिक विस्तार

भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग केवल हथियारों की खरीद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी का प्रतीक बन चुका है। ऐसे समय में जब वैश्विक भू–राजनीति तेजी से बदल रही है, हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन नए सिरे से परिभाषित हो रहा है और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, तब भारत–फ्रांस संबंधों का गहरा होना दोनों देशों के लिए दूरगामी महत्व रखता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की हालिया भारत यात्रा इसी रणनीतिक समीकरण को और मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम के रूप में देखी जा रही है।

भारत और फ्रांस के बीच राजनयिक संबंध 1947 के बाद स्थापित हुए, लेकिन संबंधों में वास्तविक मजबूती 1998 में आई, जब दोनों देशों ने औपचारिक रूप से रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत की। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत ने परमाणु परीक्षण किए थे। अधिकांश पश्चिमी देशों ने भारत पर प्रतिबंध लगाए, किंतु फ्रांस ने अपेक्षाकृत संतुलित और स्वतंत्र रुख अपनाया। यह वह दौर था जब फ्रांस ने यह संकेत दिया कि वह भारत को केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में देखता है।

यही भरोसा आगे चलकर रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की नींव बना। आज फ्रांस रूस के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता है, और दोनों देश संयुक्त उत्पादन, तकनीक हस्तांतरण और अनुसंधान में भी साझेदारी बढ़ा रहे हैं।

राफेल विमान द्वारा 114 अतिरिक्त राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद का प्रस्ताव हाल के वर्षों के सबसे बड़े रक्षा सौदों में से एक माना जा रहा है। इससे पहले भी भारत ने राफेल विमानों की खरीद की थी, जिन्होंने वायुसेना की मारक क्षमता और रणनीतिक संतुलन को मजबूत किया। नई खरीद से भारतीय वायुसेना की स्क्वाड्रन संख्या में सुधार होगा और दो मोर्चों पर संभावित चुनौतियों से निपटने की क्षमता बढ़ेगी।

राफेल विमान अत्याधुनिक एवियोनिक्स, लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता, उच्च गतिशीलता और मल्टी-रोल ऑपरेशन के लिए जाने जाते हैं। यह विमान हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों प्रकार के अभियानों में सक्षम हैं। चीन और पाकिस्तान के साथ जटिल सुरक्षा परिवेश को देखते हुए यह सौदा भारत की सामरिक तैयारी को एक नई धार देता है।

इस सौदे का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें 'मेक इन इंडिया' को प्राथमिकता दी जा रही है। यदि 114 विमानों का निर्माण भारत में होता है, तो इससे घरेलू रक्षा उद्योग को तकनीकी उन्नयन, रोजगार सृजन और निर्यात संभावनाओं का लाभ मिलेगा। यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में भी बड़ा कदम होगा।

फ्रांस की कंपनियों और भारतीय रक्षा उद्योग के बीच संयुक्त उद्यमों से भारत को उच्च स्तरीय रक्षा तकनीक तक पहुंच मिल सकती है। इससे केवल खरीददार–आपूर्तिकर्ता संबंध नहीं, बल्कि दीर्घकालिक औद्योगिक साझेदारी विकसित होगी।

भारत और फ्रांस दोनों ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था के समर्थक हैं। चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक सक्रियता के बीच यह साझेदारी विशेष महत्व रखती है। फ्रांस की भी हिंद–प्रशांत में भौगोलिक उपस्थिति है, जिससे वह इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाता है। दोनों देशों की नौसेनाएं संयुक्त अभ्यास करती हैं, समुद्री डोमेन जागरूकता साझा करती हैं और आतंकवाद-रोधी प्रयासों में सहयोग करती हैं। रक्षा समझौतों का विस्तार केवल वायुसेना तक सीमित नहीं, बल्कि समुद्री और साइबर सुरक्षा तक फैला हुआ है। रक्षा के अलावा ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में भी दोनों देशों की साझेदारी उल्लेखनीय है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की शुरुआत भारत और फ्रांस ने मिलकर की थी, जो नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक पहल है। 'ईयर ऑफ इनोवेशन' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से स्टार्टअप, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हरित ऊर्जा और डिजिटल परिवर्तन पर सहयोग बढ़ाया जा रहा है।

भारत–फ्रांस संबंधों को 2047 तक नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक दीर्घकालिक रोडमैप तैयार किया गया है। 2047 दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीकात्मक वर्ष भी होगा। इस दृष्टि से रक्षा सौदे केवल वर्तमान जरूरतों की पूर्ति नहीं, बल्कि भविष्य की सामरिक संरचना का हिस्सा हैं।

राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संयुक्त वक्तव्यों में 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' की बात इस बात का संकेत है कि दोनों देश पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर वैश्विक मुद्दों–जैसे जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था-पर मिलकर काम करना चाहते हैं।

राफेल लड़ाकू विमानों का प्रस्तावित सौदा केवल एक रक्षा खरीद नहीं, बल्कि भारत-फ्रांस संबंधों के परिपक्व और विश्वासपूर्ण स्वरूप का प्रतीक है। यह साझेदारी दिखाती है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत अपने रणनीतिक हितों को संतुलित और बहु–आयामी कूटनीति के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है। फ्रांस ने लगातार भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में महत्व दिया है और भारत ने भी फ्रांस को यूरोप में अपने प्रमुख रणनीतिक सहयोगी के रूप में देखा है। आने वाले वर्षों में यह संबंध न केवल रक्षा क्षेत्र में, बल्कि वैश्विक शासन और तकनीकी नेतृत्व के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं खोल सकता है।

विचार विण्डो

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में एक डिग्री, दो कैंपस, अनगिनत संभावनाएं

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान देश की तकनीकी और इंजीनियरिंग शिक्षा व्यवस्था के शीर्ष संस्थान माने जाते हैं। बीते कई दशकों में इन संस्थानों ने न केवल उच्च गुणवत्ता वाले इंजीनियर तैयार किए हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की बौद्धिक क्षमता, अनुसंधान कौशल और नवाचार शक्ति को भी स्थापित किया है। विश्व की अग्रणी कंपनियों, शोध संस्थानों और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में आईआईटी से निकले विद्यार्थियों की मजबूत उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि इन संस्थानों ने समय–समय पर स्वयं को बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला है।

आज तकनीक की दुनिया अभूतपूर्व गति से बदल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में निरंतर प्रगति हो रही है। ऐसे परिवेश में शिक्षा का पारंपरिक ढांचा पर्याप्त नहीं रह जाता। विद्यार्थियों को बहु-विषयक समझ, व्यावहारिक अनुभव और विविध शैक्षणिक वातावरण की आवश्यकता होती है। इसी संदर्भ में इंटर–कैंपस सेमेस्टर–लॉन्ग स्टूडेंट मोबिलिटी प्रोग्राम एक दूरदर्शी और समयानुकूल पहल के रूप में सामने आया है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत किसी भी आईआईटी का छात्र एक सेमेस्टर के लिए किसी अन्य आईआईटी में अध्ययन कर सकेगा। वहां अर्जित किए गए क्रेडिट उसके मूल संस्थान में जोड़े जाएंगे। यह व्यवस्था केवल औपचारिक विनिमय नहीं, बल्कि अकादमिक लचीलेपन की दिशा में एक ठोस कदम है। इससे छात्र को एक ही डिग्री के दौरान दो अलग–अलग संस्थानों की शैक्षणिक संस्कृति, शिक्षण शैली, शोध पद्धति और संसाधनों का अनुभव प्राप्त होगा। अलग–अलग आईआईटी की अपनी विशिष्ट ताकतें हैं। कोई संस्थान अनुसंधान में अग्रणी है, तो कोई उद्योग–समन्वय में; कहीं स्टार्टअप संस्कृति मजबूत है, तो कहीं आधारभूत विज्ञान पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ऐसे में छात्र यदि अपनी रुचि या करियर लक्ष्य के अनुरूप किसी विशेष विशेषज्ञता वाले आईआईटी में एक सेमेस्टर बिताता है, तो उसे उस क्षेत्र की गहराई और व्यापकता दोनों समझने का अवसर मिलेगा। इस पहल का एक बड़ा लाभ यह भी है कि यह छात्रों में आत्मविश्वास और अनुकूलन क्षमता को बढ़ाएगी। नए परिसर, नए शिक्षकों और नए साथियों के बीच अध्ययन करना किसी भी विद्यार्थी को अधिक परिपक्व बनाता है। प्रतिस्पर्धी और विविध वातावरण में स्वयं को स्थापित करना, संवाद कौशल विकसित करना और अलग–अलग पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के साथ काम करना–ये सभी गुण भविष्य के पेशेवर जीवन में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं।

नई शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक लचीला, समावेशी और बहु-विषयक बनाने पर बल दिया है। क्रेडिट ट्रांसफर, बहु–प्रवेश और बहु–निकास जैसी अवधारणाएं इसी सोच का हिस्सा हैं। इंटर-कैंपस मोबिलिटी प्रोग्राम इस नीति की भावना को व्यवहारिक रूप देने का प्रयास है। इससे छात्र अपनी मूल शाखा के साथ अन्य विषयों को भी पढ़ सकेंगे। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र मैकेनिकल इंजीनियरिंग में नामांकित है, तो वह डेटा साइंस, प्रबंधन, डिजाइन या पर्यावरण अध्ययन जैसे विषयों का चयन कर सकता है। इससे वह केवल एक तकनीकी विशेषज्ञ नहीं, बल्कि व्यापक दृष्टिकोण वाला इंजीनियर बन सकेगा। वर्तमान समय में उद्योग जगत भी ऐसे पेशेवरों की मांग कर रहा है, जो तकनीकी दक्षता के साथ समस्या-समाधान, नवाचार और अंतःविषय समझ रखते हों। बहु-विषयक अध्ययन से छात्रों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और वे बदलती औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकेंगे।

देश में पहले से कुछ विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रम संचालित हैं, जिनसे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलता है। किंतु देश के भीतर आईआईटी स्तर पर इस प्रकार की औपचारिक और संरचित मोबिलिटी व्यवस्था का आरंभ एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल छात्रों को लाभ होगा, बल्कि संस्थानों के बीच सहयोग, संसाधनों का साझा उपयोग और संयुक्त अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि इस कार्यक्रम की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। चयन प्रक्रिया पारदर्शी हो, क्रेडिट समायोजन स्पष्ट और सरल हो, तथा छात्रों को आवास और प्रशासनिक सहायता समय पर मिले–इन सभी पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक होगा। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि यह सुविधा केवल चुनिंदा छात्रों तक सीमित न रह जाए, बल्कि अधिकाधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। भविष्य में इस पहल का विस्तार सभी आईआईटी तक किया जाना चाहिए। यदि संभव हो तो एक से अधिक सेमेस्टर की सुविधा और अंतःविषय अध्ययन के व्यापक विकल्प भी उपलब्ध कराए जाएं। इससे छात्र अपनी रुचि, क्षमता और करियर आकांक्षाओं के अनुरूप शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। निस्संदेह, इंटर–कैंपस मोबिलिटी प्रोग्राम विद्यार्थियों को अधिक परिपूर्ण, आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार इंजीनियर बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। यह पहल न केवल आईआईटी की शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करेगी, बल्कि भारत की तकनीकी शिक्षा को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाई–वोल्टेज मुकाबला

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : सुपर–8 में टीम इंडिया का धमाकेदार आगाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। 20 फरवरी 2026। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 अब निर्णायक सुपर–8 चरण में पहुंच गया है। भारतीय टीम ने लीग स्टेज में लगातार जीत के साथ शानदार लय दिखाई और पूरे आत्मविश्वास के साथ इस दौर में प्रवेश किया है। सुपर–8 का भारत का पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होगा। यह हाई–वोल्टेज मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां टीम इंडिया को घरेलू मैदान का पूरा फायदा मिलेगा।

दोनों टीमों के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक 35 मैच खेले गए हैं। भारत ने 21 मैच जीते, जबकि दक्षिण अफ्रीका को 13 में सफलता मिली। 1 मैच बेनतीजा या रद्द रहा। टी20 विश्व कप के मुकाबलों में भी भारत का पलड़ा भारी रहा है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट में हर मैच नया इतिहास रचता है। दोनों टीमों के बीच मुकाबले हमेशा रोमांचक और कांटे के रहे हैं।

यह मुकाबला सुपर–8 ग्रुप में दोनों टीमों की आगे की राह तय कर सकता है। जीत हासिल करने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ में मजबूत स्थिति में पहुंच जाएगी, जबकि हारने वाली टीम पर दबाव बढ़ेगा। भारत ने लीग स्टेज में शानदार प्रदर्शन किया, जबकि दक्षिण अफ्रीका भी मजबूत फॉर्म में है। इस मैच का नतीजा ग्रुप की टॉप पोजिशन और सेमीफाइनल की संभावनाओं पर असर डालेगा।

संभावित प्लेइंग ग्यारहवीं भारतः ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह। (संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह बैकअप) दक्षिण अफ्रीकाः क्विंटन डी कॉक, एडेन मार्करम, रयान रिकेल्टन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कागिसो रबाडा, एनरिक नोर्जे, लुंगी एनगिडी। नरेंद्र मोदी स्टेडियम वही मैदान है जहां भारत ने लीग स्टेज का आखिरी मैच खेला था। पिच और परिस्थितियों से भारतीय टीम अच्छी तरह वाकिफ है, जो उन्हें अतिरिक्त बढ़त दे सकता है। दक्षिण अफ्रीका भी आक्रामक क्रिकेट खेल रही है, ऐसे में यह मुकाबला रोमांच से भरपूर रहने की उम्मीद है। टीम इंडिया 'धुरंधर' अंदाज में सुपर–8 की शुरुआत करना चाहेगी।

'नफरत फैलाएगी, झूठ पर आधारित'

'द केरला स्टोरी 2' पर शशि थरूर का तीखा हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। 2023 की सबसे चर्चित और विवादास्पद फिल्म 'द केरला स्टोरी' का सीक्वल 'द केरला स्टोरी 2ः गोज बियॉन्ड' 27 फरवरी 2026 को रिलीज होने जा रहा है, लेकिन रिलीज से पहले ही यह फिल्म राजनीतिक विवादों में घिर गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने फिल्म के निर्माताओं पर जमकर निशाना साधा है। थरूर ने इसे नफरत फैलाने वाली और झूठ पर आधारित करार दिया।

नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में शशि थरूर ने कहा कि पहली फिल्म में हजारों लड़कियों के जबरन धर्मांतरण का दावा किया गया था, जो पूरी तरह बेबुनियाद है। उन्होंने कहा, "वास्तविकता में कई सालों में बमुश्किल 30 के आसपास ऐसे मामले सामने आए हैं। भारत जैसे विशाल देश में इक्का–दुक्का घटनाओं को बढ़ा–चढ़ाकर प्रोपेगैंडा बनाना गलत है।" थरूर ने चिंता जताई कि ऐसी फिल्में समाज में जहर घोल रही हैं। उन्होंने पुरानी फिल्म 'अमर अकबर एंथनी' का उदाहरण देते हुए कहा कि वह सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक थी, जबकि आज की फिल्में विभाजन पैदा कर रही हैं। 'द केरला स्टोरी 2' का ट्रेलर हाल ही में जारी हुआ है, जिसमें राजस्थान, मध्य प्रदेश और केरल की पृष्ठभूमि पर लक्षित कट्टरपंथ और धर्मांतरण के मुद्दों को दिखाया गया है। निर्माताओं ने ट्रेलर में कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा, "उन्होंने हमारी बेटियों का भरोसा तोड़ा। इस बार हम चुप नहीं रहेंगे, लड़ेंगे।" फिल्म का दावा है कि यह कड़वे सच को उजागर करती है। फिल्म के ट्रेलर और केरल के चित्रण को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। अदालत ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) और निर्माताओं को नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई 24 फरवरी को होगी। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी फिल्म की कड़ी निंदा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि सांप्रदायिक कलह भड़काने वाली मनगढ़ंत कहानियों को खुली छूट मिलना चौंकाने वाला है। उन्होंने जनता से केरल की सद्भावपूर्ण छवि बचाने की अपील की।

पहली फिल्म को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ निर्देशन और सिनेमैटोग्राफी का सम्मान मिला था, लेकिन सीक्वल अब नए विवादों के केंद्र में है।

टी 20 वर्ल्ड कप 2026 : भारत को दी चेतावनी

दो टीमों को हराने के बाद जिम्बाब्वे का जोश सातवें आसमान पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। 20 फरवरी 2026। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जिम्बाब्वे की टीम ने सभी को चौंका दिया है। ग्रुप स्टेज में अजेय रहते हुए उन्होंने पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से और सह–मेजबान श्रीलंका को 6 विकेट से हराया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद टीम का आत्मविश्वास चरम पर है। अब सुपर आठ चरण में उनका मुकाबला मौजूदा चैंपियन भारत से होगा, जिसके पहले सहायक कोच डॉयन इब्राहिम ने बड़ा बयान दिया है। जिम्बाब्वे के सहायक कोच डॉयन इब्राहिम ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि भारत के खिलाफ सुपर आठ मैच से पहले उन्हें अंडरडॉग (छुपेरुस्तम) कहे जाने से कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा, "रैंकिंग और हर पैमाना हमें अंडरडॉग ही बताएगा, जो बिल्कुल ठीक है। हम ग्रुप में भी अंडरडॉग थे और इसी तरह खेलना पसंद करते हैं।" इब्राहिम ने जोर दिया कि अंडरडॉग होने का फायदा यह है कि टीम बिना दबाव के मैदान पर उतरती है। सारा दबाव भारत पर होगा, क्योंकि वे घरेलू परिस्थितियों में खेल रहे हैं। कोच ने आगे कहा, "हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि हम मौके से घबराएं नहीं और भारतीय फैंस के माहौल से प्रभावित न हों। हमने तैयारी पूरी की है। योजना और तैयारी में हम सहज हैं। हमने मैच के लिए सभी सही कदम उठाए हैं।" इस वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे ने ग्रुप बी में चार मैच खेले, जिसमें तीन जीते और एक (आयरलैंड के खिलाफ) रद्द हुआ। उन्होंने पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा उलटफेर करते हुए हराया, फिर श्रीलंका को अंतिम ग्रुप मैच में 179 रनों का लक्ष्य चेज कर 6 विकेट से हराया। ब्रायन बेनेट (नाबाद 63) और कप्तान सिकंदर रजा (45) ने शानदार पारी खेली। इस जीत से वे ग्रुप टॉप पर रहे और सुपर आठ में पहुंचे। सुपर आठ ग्रुप 1 में जिम्बाब्वे का सामना भारत, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत के खिलाफ मैच 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। जिम्बाब्वे की टीम अब बिना दबाव के खेल रही है और बड़े उलटफेर की उम्मीद जगाई है। उनका यह सफर दिखाता है कि क्रिकेट में कुछ भी संभव है।

यश के नए अवतार ने मचाई सनसनी

'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स' का धमाकेदार टीज़र जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। 2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन–अप्स' का ऑफिशियल टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे दर्शकों को टीजर ने काफी प्रभावित किया है। हाई–इम्पैक्ट विजुअल्स और डार्क माहौल के साथ फिल्म एक भव्य और क्रूर दुनिया की झलक दिखाती है। रॉकिंग स्टार यश का नया अवतार टीजर का सबसे बड़ा आकर्षण है, जिसमें उनका जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिलता है। वह अलग–अलग रूपों में नजर आते हैं, जो फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ाते हैं। फिल्म में दमदार स्टारकास्ट भी नजर आएगी। नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया जैसे कलाकार मजबूत किरदारों में दिखाई देंगे। टीजर में सर्कस थीम, ईस्ट एशियन बैकग्राउंड और रेट्रो गैंगस्टर स्टाइल का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है, जो इसे एक इंटरनेशनल लेवल की फिल्म का अनुभव देता है।

टीजर देखने के बाद फैंस ने सोशल मीडिया पर उत्साह भरे रिएक्शन दिए हैं। कई लोगों ने इसके विजुअल्स, एक्शन, कलर ग्रेडिंग और यश के स्वैग की तारीफ की है। हालांकि कुछ दर्शकों ने बैकग्राउंड स्कोर को थोड़ा कमजोर बताया है और ट्रेलर में इसे बेहतर बनाने की उम्मीद जताई है। फिल्म को स्टाइलिश हिंसा, अंडरवर्ल्ड कहानी और ग्लोबल स्केल के कारण एक बड़े सिनेमैटिक इवेंट के रूप में देखा जा रहा है।

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म कन्नड़ और अंग्रेजी में शूट की गई है और हिंदी सहित कई भाषाओं में रिलीज होगी। डश्ठ प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी 'टॉक्सिक' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिससे सिनेमा प्रेमियों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं।

शाहरुख खान की पहली हीरोइन बनीं अलका अमीन

अब 'मिर्जापुर' में सास के रोल से छाईं

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की शुरुआती टीवी जर्नी में उनकी पहली ऑन–स्क्रीन पत्नी और हीरोइन रही अभिनेत्री अलका अमीन आज एक अलग ही छवि में नजर आ रही हैं। साल 1988 के दूरदर्शन सीरियल 'दिल दरिया' में उन्होंने शाहरुख के साथ रोमांस किया था, जबकि अब प्राइम वीडियो की हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर 3' में 'गीता त्यागी' (सलोनी भाभी की सास) के सशक्त किरदार से उन्होंने नई पहचान बनाई है।

'दिल दरिया' में शाहरुख 'नंदू' (नंदकिशोर) बने थे, जो एक कपड़े की दुकान वाले के बेटे थे। अलका अमीन (तब अलका सक्सेना) ने उनकी पत्नी 'कांथा' का रोल निभाया। यह शो लेख टंडन ने बनाया था, जिसने शाहरुख को टीवी में लॉन्च किया। हाल ही में इस शो का पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें युवा शाहरुख और अलका की केमिस्ट्री देख फैंस हैरान रह गए। दिलचस्प बात यह है कि अलका असल जिंदगी में शाहरुख से चार साल बड़ी हैं। 'दिल दरिया' के बाद अलका ने करीब 15 साल का ब्रेक लिया और 2003 में फिल्म 'स्वराज' से वापसी की। उन्होंने 'दम लगा के हईशा' में आयुष्मान खुराना की मां का किरदार निभाया, जो अपनी बहू को सपोर्ट करती नजर आईं। 'केदारनाथ', 'लुका छुपी', 'बधाई हो' जैसी फिल्मों और 'चाचा विधायक हैं हमारे' जैसे शोज में भी वो सक्रिय रहीं। 'मिर्जापुर' ने अलका को नया लुक और मजबूत पहचान दी, जहां वो सख्त 'त्यागी अम्मा' बनकर सबको इम्प्रेस कर रही हैं। उनका सफर दिखाता है कि एक्ट्रेस कितनी बहुमुखी हो सकती हैं, रोमांटिक हीरोइन से लेकर पावरफुल सास तक।

जिला अस्पताल में दवाओं पर घमासान

एक्सपायरी दवाओं के प्रयोग पर हरकत में आया जिला प्रशासन

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ के मलखान सिंह जिला चिकित्सालय में दवाओं की अवधि समाप्त होने के आरोपों के बाद जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। मामले के सामने आते ही जिलाधिकारी ने अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बताया गया कि कुछ दवाओं को अवधि समाप्त बताया जा रहा था, जिसके बाद जांच के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा भेजी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन दवाओं पर सवाल उठे हैं, वे अभी निर्धारित वैध अवधि के भीतर हैं और नियमानुसार उपयोग योग्य हैं। उदाहरण के तौर पर एमिकासिन इंजेक्शन की अंतिम तिथि फरवरी 2026 बताई गई है, जिसका उपयोग उसी महीने के अंतिम दिन तक किया जा सकता है।

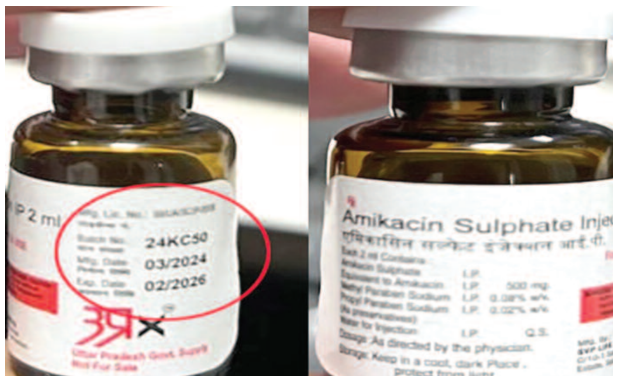

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि कुछ दवाएं औषधि भंडार में उपलब्ध नहीं होने के कारण अस्पताल को प्राप्त नहीं हो पा रही थीं। वहीं कुछ दवाएं आवश्यक औषधि सूची में शामिल नहीं हैं, इसलिए उनकी आपूर्ति नियमित रूप से नहीं की जाती। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि उपलब्ध दवाओं की अवधि अभी 40 से 70 दिन शेष है

डीएम ने सीएमएस से किया जवाब-तलब

और उनका उपयोग नियमों के अनुरूप किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने पूरे मामले की निगरानी के निर्देश देते हुए कहा है कि दवा भंडारण और वितरण प्रणाली को और मजबूत बनाया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि मरीजों को सुरक्षित और प्रभावी उपचार मिले। स्वास्थ्य विभाग ने भरोसा दिलाया है कि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए नियमित निरीक्षण और पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाएगी। प्रशासन की सक्रियता के बाद अस्पताल प्रबंधन भी सतर्क हो गया है और दवाओं के रखरखाव तथा अभिलेखों की दोबारा जांच शुरू कर दी गई है।

निजी अस्पतालों में नर्सों को मिलेगा न्यूनतम 20 हजार वेतन

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में निजी अस्पतालों में कार्यरत नर्सों के वेतन को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। स्वास्थ्य महानिदेशक ने आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि 10 से 100 शैय्या तक के सभी निजी अस्पतालों को नर्सों को प्रति माह कम से कम 20 हजार रुपये वेतन देना अनिवार्य होगा। इस संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी को सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

यह निर्णय उस पृष्ठभूमि में आया है जब निजी अस्पतालों में नर्सों को लंबे समय तक काम लेने के बावजूद 10 से 12 हजार रुपये तक ही भुगतान किया जा रहा था। इस मामले पर न्यायालय ने भी राज्य सरकार को निर्देश दिए थे कि नर्सों के लिए न्यूनतम वेतन सुनिश्चित किया जाए। आदेश की प्रति मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजा। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जिले के सभी निजी अस्पतालों को ईमेल के माध्यम से सूचना दे दी गई है। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यहां तक कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर अस्पताल का लाइसेंस भी निरस्त किया जा सकता है।

वेतन व्यवस्था की निगरानी के लिए एक विशेष निगरानी प्रकोष्ठ गठित किया जाएगा। यह प्रकोष्ठ अस्पतालों द्वारा पोर्टल पर अपलोड किए गए कर्मचारियों के विवरण की जांच करेगा और नर्सों से सीधे संपर्क कर भुगतान की जानकारी प्राप्त करेगा। हालांकि, इस आदेश के क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं।

कई निजी अस्पताल नर्सों को प्रशिक्षु बताकर कम मानदेय देते हैं या कागजों में अधिक राशि दर्शाकर वास्तविक भुगतान कम करते हैं। ऐसे में प्रशासन के लिए सख्त निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करना जरूरी होगा।

पेड़ से गिरा मोर, ग्रामीणों की सतर्कता से बची जान

यूनिक समय, आगरा। आगरा के जैतपुर ब्लॉक अंतर्गत पई गांव में उस समय हलचल मच गई, जब एक मोर अचानक पेड़ से नीचे गिर पड़ा। राष्ट्रीय पक्षी को जमीन पर घायल अवस्था में देख आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना देरी किए मोर को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और उसकी देखभाल शुरू की।

घटना की सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही विभाग की टीम गांव पहुंची। टीम में वन दरोगा नीरज, वन रक्षक योगेश और पशु संरक्षक कर्मचारी शामिल थे। अधिकारियों ने घायल मोर का प्राथमिक उपचार कराया और आगे के इलाज के लिए उसे अस्पताल भिजवाया, जहां उसकी हालत पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मोर अचानक संतुलन खो बैठा और पेड़ से नीचे आ गिरा। गिरने

के कारण उसे हल्की चोटें आईं। समय रहते सहायता मिलने से स्थिति गंभीर नहीं हुई। गांव के कई लोगों ने मिलकर मोर की सुरक्षा सुनिश्चित की और भीड़ को दूर रखा, ताकि उसे किसी तरह का अतिरिक्त तनाव न हो। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सराहनीय पहल की। उनकी तत्परता के कारण राष्ट्रीय पक्षी को समय पर उपचार मिल सका। वन विभाग ने भी ग्रामीणों की जागरूकता की प्रशंसा की और अपील की कि वन्यजीवों को संकट में देखें तो तुरंत सूचना दें।

पालतू कुत्ते के भौंकने से मचा बवाल

सात फेरे से पहले ही टूटी शादी

यूनिक समय,फतेहपुर। फतेहपुर जिले के खागा कोतवाली क्षेत्र में एक विवाह समारोह उस समय बवाल में बदल गया, जब दुल्हन के पालतू कुत्ते को लेकर घराती और बराती आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ा कि लाठी-डंडे और कुर्सियां चल गईं, कई लोग घायल हो गए और अंततः शादी टूट गई।

जानकारी के अनुसार प्रयागराज से वधू पक्ष बस और अन्य वाहनों से गेस्ट हाउस पहुंचा था। वर पक्ष भी धूमधाम से बारात लेकर पहुंचा। जयमाल सहित अन्य रस्में शांतिपूर्वक पूरी हो चुकी थीं। भोर करीब चार बजे मंडप में दुल्हन को आभूषण पहनाने की रस्म चल रही थी।

इसी दौरान मंडप से कुछ दूरी पर बंधा दुल्हन का पालतू कुत्ता भौंकने लगा। आरोप है कि वर पक्ष के एक युवक ने कुत्ते को डंडे से मार दिया। इस पर वधू पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। लाठी-डंडे और कुर्सियां चलने लगीं, जिससे समारोह स्थल पर अफरातफरी मच गई। मारपीट में वधू पक्ष की एक महिला समेत तीन लोगों के सिर फट गए और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। वर पक्ष के भी दो लोगों को चोटें आईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर कई लोग वहां से निकल गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कुछ को आगे इलाज के लिए भेजा गया। घटना के बाद विवाह की रस्में रोक दी गईं। अगले दिन दोनों पक्ष कोतवाली पहुंचे। पुलिस ने दुल्हन से उसकी इच्छा पूछी, जिस पर उसने शादी से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया और एक-दूसरे को दिए गए उपहार व दान लौटाए गए।

महंगाई पर गरमाया सदन

'बोतल' टिप्पणी से बढ़ा सियासी पारा

यूनिक समय, लखनऊ। विधानसभा सत्र के दौरान शुक्रवार को महंगाई, बेरोजगारी और पलायन के मुद्दों पर जोरदार हंगामा देखने को मिला। कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया। सरकार को आज नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ-साथ राष्ट्रपति के अभिभाषण को भी पारित कराना है, जिसके कारण सदन का माहौल पहले से ही संवेदनशील बना हुआ था।

सत्र की शुरुआत में श्रम एवं रोजगार से जुड़े प्रश्न उठाए गए। विपक्षी सदस्यों ने बाहरी एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की मांग की। उनका कहना था कि समान कार्य के लिए समान वेतन मिलना चाहिए। जवाब में मंत्री ने कहा कि निविदा प्रक्रिया के तहत कार्य की अवधि तय होती है और कर्मियों में बदलाव नहीं किया जाता। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस संबंध में वर्तमान सरकार ने कोई नया निर्णय नहीं लिया है। इसके बाद महंगाई का मुद्दा प्रमुखता से उठा। एक विपक्षी विधायक ने कविता के माध्यम से तेल की बढ़ती कीमतों पर सरकार को घेरा और किसानों की समस्याओं का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आलू उत्पादक किसान परेशान हैं, जबकि बिचौलिए लाभ कमा रहे हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार कई करों में राहत दे चुकी है और कुछ वस्तुओं के दाम केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

इसी दौरान 'बोतल महंगी' संबंधी टिप्पणी पर दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। विपक्ष ने इसे जनता की तकलीफों का मजाक बताया, जबकि सत्तापक्ष ने पलटवार करते हुए विपक्ष पर अनावश्यक मुद्दे उठाने का आरोप लगाया। कुछ समय के लिए सदन की कार्यवाही बाधित भी हुई। रोजगार और पलायन के प्रश्न पर भी तीखी बहस हुई। विपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश के युवा आज भी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों का रुख कर रहे हैं। मंत्री ने जवाब में कहा कि प्रदेश के कामगारों की मांग देश-विदेश में बढ़ी है और पलायन की स्थिति पहले जैसी नहीं रही। दिन भर चली बहस और तकरार के बीच सत्र हंगामेदार बना रहा। दोपहर बाद मुख्यमंत्री के संबोधन और अन्य कार्यसूची पर भी सभी की निगाहें टिकी रहीं।

राहुल गांधी ने सुल्तानपुर से लौटते समय मोची के परिवार से की मुलाकात

यूनिक समय, सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में अदालत में बयान दर्ज कराने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी लखनऊ लौटते समय गुप्तारगंज स्थित एक मोची की दुकान पर रुके। यह दुकान दिवंगत रामचेत की थी, जिनका हाल ही में निधन हो गया था। राहुल गांधी ने उनके परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। दुकान पर उस समय रामचेत के बेटे राघव मौजूद थे। राहुल गांधी कुछ मिनट तक वहां ठहरे और राघव से परिवार का हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि वह रामचेत के निधन पर पहले नहीं आ सके, जिसका उन्हें खेद है। इस दौरान उन्होंने राघव की छोटी बेटी श्रद्धा को गोद में उठाया, उसे स्नेह दिया और मिठाई भेंट की। साथ ही परिवार को हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

इससे पहले राहुल गांधी सुल्तानपुर की सांसद-विधायक न्यायालय में एक मामले में बयान दर्ज कराने पहुंचे थे। केंद्रीय गृहमंत्री पर की गई टिप्पणी से जुड़े मानहानि प्रकरण में अदालत ने उनसे दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत बयान लिया। लगभग आधे घंटे तक न्यायालय कक्ष में कार्यवाही चली। परिसर में उनके समर्थकों की भीड़ एकत्र रही, जिसके चलते कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च निर्धारित की है। न्यायालय की कार्यवाही के बाद उनका यह मानवीय कदम स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

सार संक्षेप

भिवंडी मेयर चुनाव में बीजेपी को झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। भिवंडी मेयर चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार हार गए, जबकि पार्टी से बगावत कर 'भिवंडी सेक्युलर फ्रंट' का साथ देने वाले नारायण चौधरी 48 वोट पाकर महापौर चुने गए। बताया जा रहा है कि बीजेपी द्वारा उम्मीदवार बदलकर स्नेहा पाटिल को टिकट देने से नाराजगी बढ़ी। नौ पार्षदों ने पार्टी से दूरी बनाई, जिससे सत्ता समीकरण बदल गए और सेक्युलर फ्रंट को बढ़त मिल गई।

तेज रफ्तार कार से छह साल की बच्ची की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। जनकपुरी में स्कूल जा रही छह साल की बच्ची की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गई। हादसे में ई-रिक्शा पलट गया और बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी संजीव को हिरासत में लेकर कार जब्त कर ली है। बच्ची की नानी ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद लोगों ने मदद नहीं की।

इंडियन यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन, कई कार्यकर्ता हिरासत में

यूनिक समय, नई दिल्ली। मंडपम में एआई समिट के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कुछ प्रदर्शनकारी पवेलियन में पहुंचे। भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के विरोध में हो रहे प्रदर्शन के बीच दिल्ली पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में लेकर आयोजन स्थल से हटाया।

विस में बयान पर बवाल, माफी के बाद भी नहीं थमा विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्यप्रदेश विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के "औकात में रहो" बयान पर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष से तीखी बहस के बाद सदन में 40 मिनट तक शोर-शराबा हुआ। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने माफी मांगी, लेकिन विपक्ष शांत नहीं हुआ और कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित करनी पड़ी।

आईओएनएस की कमान भारत के हाथ, समुद्री सहयोग को नई दिशा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ने 9वें कॉन्क्लेव में आईओएनएस की अध्यक्षता संभाली। डिप्टी चीफ वाइस एडमिरल तरुण सोबित ने कहा कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और तालमेल मजबूत करेगा। इस मंच में 25 सदस्य देश और 9 ऑब्जर्वर देश शामिल हैं, जो समुद्री सुरक्षा, पाइरेसी और आपदा राहत जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करते हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में पीएम मोदी का जोर

कृषि, मातृभाषा, शिक्षा और डेटा गवर्नेंस में एआई विस्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई और डीप-टेक क्षेत्र से जुड़े 16 स्टार्टअप्स के सीईओ व संस्थापकों के साथ राउंडटेबल बैठक की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, चर्चा का मुख्य फोकस भारत की जरूरतों के अनुरूप एआई आधारित समाधान विकसित करना रहा। पीएम मोदी ने कहा कि तकनीक का उपयोग समावेशी विकास और स्थानीय चुनौतियों के समाधान के लिए होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में एआई के उपयोग पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि फसल उत्पादकता की निगरानी, उर्वरकों के संतुलित इस्तेमाल और मिट्टी की सेहत सुधारने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अहम भूमिका निभा सकता है। साथ ही जलवायु जोखिम प्रबंधन, जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी और अंडरवॉटर इंटेलिजेंस जैसे उन्नत समाधानों पर भी चर्चा हुई।

मोदी ने भारतीय भाषाओं में उच्च शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए अक टूल्स के विस्तार की आवश्यकता दोहराई। उनका कहना था कि तकनीक के जरिए शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाया जा सकता है, जिससे ग्रामीण और वंचित वर्गों को भी लाभ मिलेगा।

बैठक में मजबूत डेटा गवर्नेंस और मिसइन्फॉर्मेशन पर नियंत्रण की जरूरत पर भी बल दिया गया। पीएम मोदी ने नेशनल पेमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित यूपीआई मॉडल का उदाहरण देते हुए सरल और स्केलेबल डिजिटल नवाचार की सराहना की। स्टार्टअप्स ने भारत के तेजी से बढ़ते एआई इकोसिस्टम की प्रशंसा की और देश को वैश्विक एआई हब बनने की दिशा में अग्रसर बताया।

अक्षरधाम की भव्यता से प्रभावित हुए एस्टोनिया के राष्ट्रपति

भारत–एस्टोनिया संबंधों को मिला आध्यात्मिक स्पर्श

यूनिक समय, नई दिल्ली। एस्टोनिया गणराज्य के राष्ट्रपति अलार कारिस अपने आधिकारिक भारत दौरे के दौरान नई दिल्ली स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर पहुंचे। उनके साथ एस्टोनिया की राजधानी तालिन्न से आया एक विशेष प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था, जिसमें भारत में एस्टोनिया की राजदूत मार्जे लूप, राष्ट्रपति कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, विदेश मंत्रालय के सदस्य और डिजिटल व एआई क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल थे।

मंदिर परिसर में राष्ट्रपति कारिस का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। उन्होंने दर्शन और अभिषेक कर वैश्विक शांति, सद्भाव और सभी समुदायों के कल्याण के लिए प्रार्थना की। प्रतिनिधिमंडल ने सांस्कृतिक नौका विहार का भी अनुभव किया, जिसके माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, दर्शन और मानव प्रगति में योगदान की झलक देखने को मिली। इस दौरे के दौरान डिजिटल विकास, जिम्मेदार टेक्नोलॉजी और वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर भी सकारात्मक संकेत देखने को मिले। एस्टोनिया के डिजिटल और साइबर कूटनीति विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी ने दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया। दौरे के अंत में राष्ट्रपति कारिस ने मंदिर की भव्यता और आध्यात्मिक वातावरण की सराहना करते हुए कहा, "मंदिर दर्शन के लिए धन्यवाद। मुझे आशा है कि मैं फिर आऊंगा। यह बहुत ही प्रभावशाली रहा।" उन्होंने भारत और एस्टोनिया के बीच शांति और मैत्रीपूर्ण संबंधों की कामना भी की।

रेखा गुप्ता सरकार का एक साल उपलब्धियों का लेखा-जोखा

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने 20 फरवरी को अपना एक साल पूरा कर लिया। चुनाव से पहले जारी 'विकसित दिल्ली संकल्प पत्र 2025' में महिलाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और बुनियादी ढांचे को लेकर कई बड़े वादे किए गए थे। सरकार के दावे के मुताबिक 40-50 फीसदी वादों पर या तो काम पूरा हो चुका है या ठोस प्रगति हुई है।

आयुष्मान भारत योजना लागू कर दी गई है और लाखों कार्ड जारी हुए हैं। कई जगह अटल कैंटीन शुरू हो चुकी है, जहां 5 रुपये में भोजन मिल रहा है। सड़कों के सुधार, इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने और जल परियोजनाओं पर भी काम शुरू हुआ है। एससी/एसटी बस्तियों के विकास, मल्टी-लेवल पार्किंग और 'भू आधार' जैसी योजनाएं भी सरकार की उपलब्धियों में गिनी जा रही हैं। महिला समृद्धि योजना के तहत 2500 रुपये मासिक सहायता का वादा अभी लागू नहीं हो सका है, हालांकि बजट आवंटित किया जा चुका है। 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर और त्योहारों पर मुफ्त सिलेंडर योजना का पूर्ण क्रियान्वयन भी बाकी है। यमुना सफाई, लैंडफिल खत्म करना और प्रदूषण कम करना जैसे बड़े वादे अभी शुरुआती चरण में हैं। सरकार ने 2026 को 'डिलीवरी का साल' बताया है। आने वाला समय तय करेगा कि वादों का फाउंडेशन नतीजों में कितना बदलता है।

डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को 10 दिन की चेतावनी, परमाणु डील पर बढ़ा तनाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है। ट्रंप ने साफ कहा कि यदि तय समय सीमा के भीतर सार्थक परमाणु समझौता नहीं हुआ, तो ईरान को "बहुत बुरे नतीजों" का सामना करना पड़ सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव फिर बढ़ता दिख रहा है। एक रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया है कि अमेरिका ईरान पर सीमित सैन्य हमलों की रणनीति पर विचार कर रहा है। शुरुआती चरण में मिसाइलों के जरिए चुनिंदा सैन्य और परमाणु ठिकानों पर स्ट्राइक की संभावना जताई गई है। सूत्रों के मुताबिक, यह कदम ईरान पर दबाव बनाने और उसे अमेरिकी शर्तें मानने के लिए मजबूर करने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतिम निर्णय ट्रंप की मंजूरी पर निर्भर करेगा। यदि हरी झंडी मिलती है, तो कुछ घंटों के भीतर कार्रवाई शुरू हो सकती है। हालांकि आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रशासन की ओर से विस्तृत सैन्य योजना की पुष्टि नहीं की गई है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान सहयोग करता है तो हालात सुधर सकते हैं, लेकिन समझौता नहीं होने की स्थिति में गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। विश्लेषकों का मानना है कि सीमित हमलों के बाद भी यदि तनाव कम नहीं हुआ, तो स्थिति व्यापक संघर्ष की ओर बढ़ सकती है। दूसरी ओर, ईरान का रुख अब तक सख्त रहा है और उसने अमेरिकी दबाव को स्वीकार करने के संकेत नहीं दिए हैं। ऐसे में आने वाले दिन पश्चिम एशिया की स्थिरता के लिए बेहद अहम माने जा रहे हैं।

सप्लाई चेन मजबूत करने की दिशा में अमेरिका-भारत साझेदारी तेज

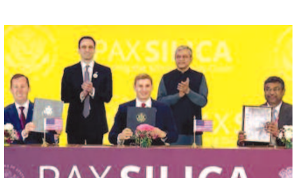

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका की अगुवाई वाली पहल पैक्स सिलिका में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह पहल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सुरक्षित विकास और महत्वपूर्ण संसाधनों की सप्लाई चेन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस कदम को भारत की टेक्नोलॉजी, व्यापार और राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की इस प्रमुख पहल का मकसद सहयोगी देशों के बीच आर्थिक सुरक्षा बढ़ाना और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। घोषणा के अनुसार, एआई भविष्य की समृद्धि और वैश्विक विकास की प्रमुख ताकत बनेगा, इसलिए इसकी सप्लाई चेन का सुरक्षित और पारदर्शी होना बेहद जरूरी है। इस पहल से जुड़ने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, यूएई, सिंगापुर, इजराइल, कतर और ग्रीस शामिल हैं। वहीं कनाडा, यूरोपीय संघ, नीदरलैंड्स और ताइवान जैसे देश भागीदार के रूप में इससे जुड़े हैं। भारत के जुड़ने से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में तकनीकी सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। अमेरिका के आर्थिक मामलों के अंडर सेक्रेटरी जैकब हेलबर्ग 20-21 फरवरी को भारत दौरे पर हैं। वे एआई सम्मेलन में भाग लेने के साथ भारत-अमेरिका तकनीकी सहयोग को मजबूत करने और एआई एक्सपोर्ट प्रोग्राम के नए चरण की शुरुआत पर चर्चा करेंगे। हाल ही में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति को वैश्विक प्राथमिकता बताया था। विशेषज्ञों का मानना है कि पैक्स सिलिका में भारत की भागीदारी से एआई विकास, डिजिटल सुरक्षा और रणनीतिक संसाधनों की उपलब्धता में दीर्घकालिक लाभ मिल सकता है।

राजनीतिक लाभ के लिए संवेदनशील मुद्दों का इस्तेमाल उचित नहीं : प्रियंका

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुवाहाटी दौरे पर पहुंचीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय राजनीतिक लाभ के लिए किसी की निजी जिंदगी या संवेदनशील मुद्दों का इस्तेमाल करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा, "ऐसी राजनीति किसी को भी शोभा नहीं देती।"

प्रियंका गांधी ने दिवंगत गायक जुबीन गर्ग को याद करते हुए कहा कि वे असम की आत्मा की आवाज थे। उनके गीतों में प्रेम, एकता और असम की अस्मिता झलकती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई राज्य की संस्कृति और सभ्यता को बचाने की है, न कि समाज को बांटने की। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में दो तरह की राजनीति होती है-एक जो विकास और जनहित की बात करती है, और दूसरी जो ध्रुवीकरण और व्यक्तिगत हमलों पर आधारित होती है। अपने दो दिवसीय असम दौरे के दौरान प्रियंका गांधी ने राज्य सरकार के खिलाफ 20 सूत्रीय 'जनता का आरोप-पत्र' भी जारी किया, जिसमें भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और जनता की उपेक्षा जैसे मुद्दे उठाए गए हैं।

शिक्षामित्रों को 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार मानदेय

यूनिक समय, लखनऊ। विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि अब शिक्षामित्रों को 10 हजार रुपये के स्थान पर 18 हजार रुपये प्रति माह मानदेय दिया जाएगा। यह नई व्यवस्था एक अप्रैल से लागू होगी। वहीं अनुदेशकों को 17 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। सरकार ने भुगतान की व्यवस्था को समयबद्ध और प्रभावी बनाने की भी बात कही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में शिक्षामित्रों को मात्र

3 हजार रुपये मिलते थे, जिसे बढ़ाकर 10 हजार किया गया था। अब इसे बढ़ाकर 18 हजार किया जा रहा है। इसके साथ ही शिक्षकों और कार्मिकों

अप्रैल से लागू होगी नई व्यवस्था

के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि जिन विकास खंडों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नहीं हैं, वहां नए विद्यालय स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए बजट में 580 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्कूल सुरक्षा ऑडिट के बाद अनुरक्षण कार्यों के लिए 300 करोड़ रुपये और प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाओं के लिए भी 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता, डिजिटल सशक्तीकरण और छात्र सुविधाओं को बेहतर बनाना है। माध्यमिक और उच्च शिक्षा में भी आधारभूत संरचना, शोध और कौशल विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि प्रदेश को ज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जा सके।

मोर की हत्या करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, चौमुहां। थाना छाता क्षेत्र के ग्राम तरौली जनूनी में राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार का एक गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस और वन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई कर हरियाणा के फरीदाबाद निवासी युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से से मृत मोर भी बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार 19 फरवरी 2026 की रात करीब आठ बजे की है। ग्राम तरौली जनूबी के ग्रामीणों ने एक युवक को डंडे से प्रहार कर पेड़ पर बैठे मोर को मार कर मृत मोर को प्लास्टिक के कट्टे में भर रहा था। उसे ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इसके साथ ही ग्रामीणों ने वन विभाग बीट प्रभारी प्रताप सिंह और पुलिस को दी। प्रताप सिंह पुलिस टीम को लेकर आ गए। मोर को मारने वाले

पेड़ पर बैठे मोर की डंडा मार की थी हत्या

युवक विजेंद्र उर्फ बीरेंद्र (25 वर्ष), पुत्र ज्ञान सिंह से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह डबुआ कॉलोनी, थाना डबुआ, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) का रहने वाला है। उसके पास पुलिस को प्लास्टिक के कट्टे में मृत मोर रखा हुआ था। डीएफओ वेंकटा श्रीकर पटेल ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और वन विभाग द्वारा मोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वन रक्षक प्रताप सिंह ने छाता कोतवाली में आरोपी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।

युवक ने बेजुबान पशु से किया दुष्कर्म, चाकू मारकर हत्या

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में एक युवक ने ऐसा दुष्कर्म किया कि लोगों ने उसका मुंह काला कर जूतों की माला डालकर घुमाने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। युवक ने एक गली में घूमने वाली बेजुबान पशु से दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंक दिया। गौरानगर कॉलोनी में रहने वाला युवक मजदूरी करता है। उसके घर के पीछे झाड़ियों में खून से सना गद्दे और खून को देख कर लोगों को किसी अनहोनी का शक हुआ। लोगों ने इस मामले में जानकारी की तो मामला बेहद शर्मनाक सामने आया। पता लगा कि वह रात को गली में घूमने वाली पशु के साथ दुष्कर्म किया और इसे छिपाने के लिए चाकू से कुतिया को मारकर घर के पीछे झाड़ियों में फेंक दिया। खून गद्दे पर फैल जाने के कारण गद्दे को भी उसने बाहर फेंक दिया। इस बात की

खून से सने गद्दे ने खोल दिया राज

पशु का शव भी झाड़ियों में फेंका

जानकारी होने पर स्थानीय लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया। लोगों ने उससे जानकारी करने के बाद उसकी अच्छी तरह से पिटाई की और मुंह काला करके जूतों की माला डालकर घुमाया। इसके बाद लोगों ने उसे इस दुष्कर्म के मामले में पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों को गिरफ्तार किया। बताया गया कि बिहारी मजदूरी करता है और उसकी पत्नी की दो साल पहले मौत हो चुकी है। उसकी शादी को भी दस साल बीत चुके हैं।

एसएसपी से शिकायत... पुलिस पर पक्षपात का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर के जयसिंहपुरा इलाके में पटाखे चलाने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों का शांतिभंग करने में चालान कर दिया। एक पक्ष के लोगों ने पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए एसएसपी से शिकायत की है। जयसिंहपुरा इलाके में रहने वाले यतेंद्रपाल ने अपने परिवार के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत की उनके पड़ोस में रहने वाला फारूक और राहुल उनके घर के समाने पटाखे चला रहे थे। यतेंद्रपाल के मना करने पर इन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद इन लोगों के परिवार के अन्य लोगों ने उसके घर पर पथराव किया। मारपीट में यतेंद्रपाल घायल हो गया। यतेंद्रपाल का आरोप है कि वह इस मामले की शिकायत करने के लिए पुलिस चौकी गया। चौकी पर तैनात दरोगा ने उसके साथ अभद्रता की और दूसरे पक्ष की तहरीर पर दोनों पक्षों के खिलाफ धारा 151 की कार्रवाई कर दी। पीड़ित का आरोप है कि इस मामले में हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सीओ सिटी ने इस मामले में बताया कि दोनों पक्षों में आपस में झगड़ा हुआ था। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की है।

विहिप नेताओं ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। विश्व हिंदू परिषद ने जिला अधिकारी को ज्ञापन देकर कहा है कि मस्जिदों में लाउडस्पीकर से होने वाली अजान से बोर्ड की परीक्षा देने वाले छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसके लिए इन्हें बंद कराने की मांग की है। विहिप के महानगर अध्यक्ष गोकुलेश गौतम एडवोकेट के नेतृत्व में काफी संख्या में कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी पहुंचकर मस्जिदों में लाउडस्पीकर के प्रयोग को लेकर ज्ञापन सौंपा। नेताओं ने कहा कि हाईस्कूल और इंटमीडिएट परीक्षा चल रही हैं। इसके साथ ही मस्जिदों में लाउडस्पीकर से होने वाली तेज आवाज से छात्रों की पढ़ाई में विघ्न हो रहा है। इसके साथ ही आम जनमानस को भी आवाज से परेशानी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय और शासन के आदेश के बावजूद ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग किया जा रहा है। कहा गया कि मंदिरों में निर्देशों का पालन करते हुए लाउडस्पीकरों का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। संगठन ने जनहित, समाज हित और धर्महित को ध्यान में रखते हुए मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकरों को तत्काल बंद कराने की मांग की। कार्रवाई न होने पर संगठन द्वारा प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी।

बोर्ड परीक्षाओं को बड़ी संख्या में परीक्षार्थी छोड़ रहे

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की इंटरमीडिएट और हाईस्कूल की परीक्षा शांति पूर्ण ढंग से आज भी हो गई। प्रथम पाली में हाईस्कूल की सामाजिक विज्ञान की परीक्षा 119 केंद्रों पर हुई। इंटर मीडिएट की कृषि शस्य की परीक्षा पांच केंद्रों पर हुई। इसमें हाईस्कूल के 35204 एवं इंटर के 14 विद्यार्थी पंजीकृत थे, लेकिन हाईस्कूल में 32946 और इंटर के विद्यार्थी उपस्थित हुए। इनमें हाईस्कूल के 2258 और इंटर के तीन परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में इंटर की अंग्रेजी की परीक्षा 119 केंद्रों में हुई। इसमें 34730 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, पर 2517 परीक्षार्थी अनुपस्थित थे।

श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार ट्रस्ट की भव्य निशान यात्रा निकली

श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार ट्रस्ट की निशान यात्रा में पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार ट्रस्ट रजि० मथुरा द्वारा आयोजित चार दिवसीय विशाल फागुन महोत्सव के अंतर्गत 20 फरवरी को प्रातः 9 बजे कृष्णा नगर स्थित विपिन नर्सिंग होम के पीछे से भव्य निशान यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा को शहर के प्रमुख उद्योगपति प्रमोद कसेरे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्रद्धालुओं की टोली कृष्णा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई भूतेश्वर स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पहुंची, जहां लगभग 251 निशान बाबा को अर्पित किए गए। निशान यात्रा में बड़ी संख्या में श्याम प्रेमियों ने भाग लिया। संस्थापक राजीव अग्रवाल ने बताया कि नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। संस्था अध्यक्ष सुभाष चंद्र अग्रवाल के अनुसार यात्रा के दौरान पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा और बाबा का अलौकिक श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा। उपाध्यक्ष प्रियंक मल्होत्रा ने जानकारी दी कि 21 फरवरी को आनंद धाम में बाबा श्याम का अभिषेक होगा, 22 फरवरी को कृष्ण कुंज कॉलोनी में मेहंदी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा 23 फरवरी को मसानी लिंक रोड स्थित फ्लोरिस गार्डन में विशाल श्याम कीर्तन का आयोजन होगा। सचिव आलोक जैन ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

आगरा में अजय देवगन का जलवा

शोरूम उद्घाटन के दौरान उमड़ी भीड़, जाम में फंसी गाड़ी

यूनिक समय, आगरा। शुक्रवार शाम उस समय उत्साह का माहौल बन गया, जब अभिनेता अजय देवगन ने शाह मार्केट स्थित कल्याण ज्वेलर्स के नए शोरूम का उद्घाटन किया। उनके आगमन की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में प्रशंसक मौके पर पहुंच गए। जैसे ही अजय देवगन कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, लोगों ने मोबाइल फोन से तस्वीरें और वीडियो बनाना शुरू कर दिया। उनकी एक झलक पाने के लिए लोगों में होड़ सी मच गई। अजय देवगन ने सादगी भरे लेकिन आकर्षक अंदाज में मंच पर प्रवेश किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आगरा आने की खुशी जताई और कहा कि वे लंबे समय बाद यहां पहुंचे हैं। एक प्रशंसक द्वारा बार-बार आने का अनुरोध किए जाने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि वे कोशिश करेंगे और आते रहेंगे। उन्होंने कंपनी के विस्तार पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि देशभर में इसके

सैकड़ों शोरूम संचालित हो रहे हैं। करीब आधे घंटे तक कार्यक्रम में रुकने के बाद जब वे वापस लौटने लगे तो प्रशंसक उनकी गाड़ी के पीछे दौड़ पड़े। इससे एमजी रोड पर अचानक भीड़ बढ़ गई और यातायात प्रभावित हो गया। लगभग तीन मिनट तक उनकी गाड़ी जाम में फंसी रही। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी और लोगों को हटाकर रास्ता साफ कराया गया। उत्तर प्रदेश में कंपनी का यह दसवां शोरूम है। उद्घाटन के साथ ही ग्राहकों के लिए आकर्षक आभूषणों की नई श्रृंखला भी उपलब्ध कराई गई है।

छात्र छात्राओं ने लिया जन्मदिन पर पौधा लगाने का संकल्प

यूनिक समय, गोवर्धन। श्री सिद्धि विनायक महाविद्यालय के बैनर तले आयोजित सात दिवसीय एनएसएस के विशेष शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं ने ग्राम राल के प्राचीन स्थल मढ़ी मन्दिर के प्रांगण में पौधारोपण किया। वक्ताओं ने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला प्राचीन मढ़ी मंदिर प्रांगण के चारों ओर साफ-सफाई कर पौधारोपण किया। इससे पहले स्वयंसेवकों ने ग्राम राल के मुख्य बाजारों से होकर गांव की परिक्रमा लगाते हुए जागरूकता रैली निकाली गयी। पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महंत जसवंत दास महाराज और ग्राम राल के पूर्व प्रधान ईश्वर दयाल ने पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी भारत उपाध्याय एडवोकेट ने कहा कि आज सभी विद्यार्थियों को अपने जन्मदिन पर पौधा लगाने और उसको बचाने का संकल्प दिलाया। इस मौके पर प्रो. विष्णुकांत शर्मा, प्राचार्य अशोक कुमार शर्मा, प्राध्यापक भानु अग्रवाल आदि उपस्थित थे। संचालन प्राध्यापक पवन कुमार और कुमरपाल ने किया।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053